सांध्य दैनिक
4PM
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
• वर्षः 10 • अंकः 72 • पृष्ठः 8 • लखनऊ, मंगलवार, 16 अप्रैल, 2024
मूल्य ₹ 3/-

हमारे जीवन की ज्यादातर समस्याएं हमारे बोलने के लहजे से पैदा होती हैं। इससे मतलब नहीं है कि हम क्या कहते हैं, इससे मतलब है कि हम कैसे कहते हैं। क्या आप सहमत हैं? –ब्रह्माकुमारी शिवानी

जिद...सच की

चिन्नास्वामी की गर्मी में हुई रनों की... 7 | संकल्प पत्र को नकारेगी जनता... 3 | जनता हर भाजपा प्रत्याशी को... 2

‘मेरा नाम अरविंद केजरीवाल है, मैं आतंकवादी नहीं हूं’

केजरीवाल के साथ हो रहा आतंकियों जैसा व्यवहार : संजय सिंह

» दिल्ली के सीएम की जेल से भावुक चिट्ठी
» भाजपा व पीएम मोदी पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एक ओर लोकसभा चुनाव सिर पर है, वहीं दूसरी ओर आम आदमी पार्टी लगातार देश की सत्ता पर स्थापित भारतीय जनता पार्टी पर हमलावर है। क्योंकि चुनाव के वक्त दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी होना, कई सियासी मायने निकालती है। यही वजह है कि आप केजरीवाल की गिरफ्तारी को लेकर भाजपा पर आक्रामक है और आए दिन नए-नए आरोप लगा रही है। तो वहीं केजरीवाल भी जेल से ही बीजेपी को अपने निशाने पर ले रहे हैं।

अब एक बार फिर आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर भाजपा पर निशाना साधा है और तिहाड़ जेल में केजरीवाल के साथ दुर्व्यवहार करने का आरोप भी लगाया है। इस दौरान संजय सिंह ने सीएम केजरीवाल द्वारा जेल से लिखी गई एक भावुक चिट्ठी भी पढ़कर सुनाई। आप राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री ने लोगों के लिए जेल से मैसेज भेजा है। उन्होंने कहा है कि मेरा नाम अरविंद केजरीवाल है, मैं आतंकवादी नहीं हूं।

23 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में रहेंगे दिल्ली के सीएम

जाहिर है कि केंद्रीय जांच एजेंसी ईडी ने अरविंद केजरीवाल को दिल्ली आबकारी नीति मामले में 21 मार्च को गिरफ्तार किया था। इसके बाद कोर्ट ने दो अलग-अलग सुनवाई में उन्हें एक अप्रैल तक ईडी रिमांड में भेज दिया। इसके बाद उन्हें कोर्ट ने एक अप्रैल को 15 दिनों की न्यायिक हिरासत में तिहाड़ भेजा। उन्हें एक बार फिर 15 अप्रैल को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में पेश किया गया। जहां अदालत ने उन्हें 23 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

मोदी ने 10 सालों में कुछ नहीं किया : सीएम

केजरीवाल ने चिट्ठी में आगे लिखा कि कैमरे पर पीएम झूठ बोल रहे हैं। अकेले बीजेपी को 65 इलेक्टोरल बांड का पैसा मिला है। शराब घोटाले का मुख्य आरोपी शरद रेड्डी से 60 करोड़ रुपये लिए। वे कंपनी से पैसे लेते हैं, ठेके देते हैं, ये संयोग है या प्रयोग है। फिर भी आप बेशर्मी से इसे डिफेंड कर रहे हैं। पीएम मोदी ने ये साबित कर दिया है कि उन्होंने 10 सालों में कुछ भी नहीं किया है। मंहगाई, बेरोजगारी पर तो उन्होंने कुछ नही बोला, अग्निवीर पर, किसानों के एमएसपी पर उन्होंने कुछ नहीं बोला। इलेक्शन कमीशन पर सीएम अरविंद केजरीवाल ने लिखा है कि, आज टीएन शेषन की आत्मा आपकी बात सुनकर हंस रही होगी। भारत के मुख्य न्यायधीश को आपने कमेटी से हटा दिया। पीएम मोदी तो सीबीआई और ईडी को डिफेंड कर रहे थे।

‘पीएम खुद सबसे बड़े भ्रष्टाचार को कर रहे जस्टीफाई’

अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान संजय सिंह ने तिहाड़ जेल से लिखी गई सीएम अरविंद केजरीवाल की चिट्ठी भी पढ़कर सुनाई, जो उन्होंने जनता के नाम लिखी है। संजय सिंह ने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली की जनता के लिए एक संदेश भेजा है और उन्होंने लिखा है कि मेरा नाम अरविंद केजरीवाल है और मैं कोई आतंकवादी नहीं हूं। अरविंद केजरीवाल ने भाजपा पर सीधा हमला किया और लिखा कि उनकी दुर्भावना इतनी बढ़ चुकी है कि परिवार से मुलाकात भी शीशे की दीवार से करनी पड़ती है। केजरीवाल ने लिखा कि कल पीएम मोदी ने एक इंटरव्यू दिया, जिसमें वे आजाद भारत के सबसे बड़े घोटाले को जस्टिफाई कर रहे थे। जिसमें बीजेपी खुद सर से लेकर पांव तक डूबी हुई है, पीएम उस इलेक्टोरल बॉन्ड को जस्टिफाई कर रहे हैं। भारत के पीएम को इलेक्टोरल बांड को जस्टीफाई करने के मामले में सुप्रीम कोर्ट से माफी मांगनी चाहिए।

केजरीवाल से नफरत करती है भाजपा : संजय सिंह

संजय सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में केंद्र की मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि आप अरविंद केजरीवाल के साथ आतंकवादियों जैसा व्यवहार कर रहे हैं, आपको शर्म नहीं आती है। प्रधानमंत्री अपनी दुर्भावना में इस कदर बढ़ चुके हैं कि उनकी (केजरीवाल) परिवार और बच्चे से मुलाकात शीशे की दीवार लगाकर कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को जेड प्लस की सुरक्षा है, उनकी केजरीवाल से मुलाकात के वक्त भी बीच में शीशे की दीवार थी। बीजेपी ने इस कार्रवाई से जाहिर कर दिया है कि उनकी केजरीवाल से नफरत की भावना है। संजय सिंह ने कहा कि अरविंद केजरीवाल को 24 घंटे सीसीटीवी निगरानी में रखा जा रहा है और प्रताड़ित करने की योजना है, मनोबल गिराने की कोशिश की जा रही है, परिवार को अपमानित किया जा रहा है। ये अरविंद केजरीवाल दूसरी मिट्टी के बने हैं, आईआरएस सेवा छोड़कर आये हैं, तोड़ने की कोशिश में और मजबूत होंगे।

आरएसएस-भाजपा संविधान को खत्म करना चाहते हैं: राहुल

» बेरोजगारी-महंगाई जैसे वास्तविक मुद्दों पर पीएम नहीं करते हैं बात
» इंडिया गठबंधन कर रहा संविधान बचाने की कोशिश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वायनाड। लोकसभा चुनावों को लेकर देश का सियासी तापमान काफी ऊपर है। नेताओं द्वारा एक-दूसरे पर सियासी हमले और आरोप-प्रत्यारोप लगाए जा रहे हैं। तो वहीं नेताओं द्वारा लगातार चुनावी जनसभाएं भी की जा रही हैं। इस बीच केरल पहुंचे कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने भाजपा-आरएसएस पर जमकर निशाना साधा।

इस दौरान राहुल ने पीएम मोदी को भी अपने निशाने पर लिया। कांग्रेस सांसद ने कहा कि लोकसभा चुनाव 2024 का एकमात्र बड़ा मुद्दा यह है कि आरएसएस और भाजपा संविधान को खत्म करने के कथित तौर पर प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी भारत के 5-6 बड़े अमीर उद्योगपतियों के लिए काम करते हैं, उनका काम वास्तविक मुद्दों से जनता का ध्यान भटकाना है। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी भारत में किसानों के मुद्दों, बेरोजगारी और महंगाई पर बात नहीं करते। राहुल ने कहा कि प्रधानमंत्री बस देश के अमीर लोगों का बचाव और उनके बैंक कर्जों को माफ करते हैं।

‘असल मुद्दों से ध्यान भटकाने का काम करते हैं पीएम’

कांग्रेस नेता ने कहा कि इस चुनाव में एक बड़ा मुद्दा है कि आरएसएस और भाजपा भारत के संविधान को नष्ट करने और इसे बदलने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि यूडीएफ, कांग्रेस पार्टी और इंडिया गठबंधन संविधान को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी का काम लोगों को देश के वास्तविक मुद्दों, जैसे मुद्रास्फीति और बेरोजगारी से ध्यान भटकाना है। उन्होंने कहा कि इस देश में 25 लोगों का 16 लाख करोड़ रुपये का बैंक कर्ज माफ कर दिया गया। मोदी का एकमात्र काम देश के सबसे अमीर लोगों की रक्षा करना है। राहुल ने कहा कि मीडिया कभी भी ‘इलेक्टोरल बॉन्ड’ योजना के बारे में बात नहीं करेगा। अगर वे चुनावी बांड पर कोई लेख लिखेंगे तो ईडी-सीबीआई भी उनके घर पहुंच जायेगी। उन्होंने कहा कि अगर आपने प्रधानमंत्री मोदी का नया इंटरव्यू देखा है, तो क्या आपने उनकी आंखें देखी हैं? वह ग्रह पर सबसे बड़े भ्रष्टाचार घोटाले का बचाव करने की कोशिश कर रहे थे। चुनावी बांड योजना जिसके माध्यम से भाजपा को जबरन वसूली के माध्यम से हजारों करोड़ रुपये मिले हैं। चुनावी बांड योजना सबसे बड़ा उगाही रैकेट है।

जनता हर भाजपा प्रत्याशी को हरायेगी

सपा प्रमुख बोले- इस बार बहकावे में नहीं आने वाली जनता

» अरुण गोविल के बयान से अखिलेश नाराज, बोले- बीजेपी ने की भारी भूल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लोकसभा चुनाव 2024 के लिए उत्तर प्रदेश की मेरठ लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी अरुण गोविल के बयान पर सपा मुखिया अखिलेश यादव ने कड़ी आपत्ति की है। दरअसल अरुण गोविल का एक बयान जमकर वायरल हो रहा है। इसमें वह संविधान बदलने के सवाल पर कथित तौर पर बदलाव करना बुरा नहीं होता। अब इस पर समाजवादी पार्टी के नेता और यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने प्रतिक्रिया दी है। सपा नेता ने अरुण गोविल को प्रत्याशी बनाए जाने को बीजेपी की भूल करार दे दिया है।

सपा नेता ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखा- जो लोग संविधान में प्रगतिशील संशोधन करने और मूलभूत बदलाव करने के बीच का अंतर नहीं समझते उन्हें टिकट देकर भाजपा ने भारी भूल की है, लेकिन फिर भी इससे ज़्यादा फ़र्क़ नहीं पड़ेगा क्योंकि जनता ने हर भाजपा प्रत्याशी को हराने का फ़ैसला पहले ही कर लिया है। यूपी के पूर्व सीएम ने लिखा- इसीलिए अपने वर्तमान और भविष्य को बचाने के लिए उत्तर प्रदेश और देश की जनता, इस बार बहकावे में नहीं आनेवाली और भाजपा को हराकर और हटाकर ही दम लेगी। भाजपा हराओ, संविधान बचाओ! बता दें सपा प्रमुख ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर जो वीडियो पोस्ट किया है उसमें मेरठ लोकसभा क्षेत्र से बीजेपी प्रत्याशी अरुण गोविल कथित तौर पर कह रहे हैं कि -संविधान जब हमारा बना था तो उसमें परिस्थितियों के अनुसार, धीरे-धीरे चेंज हुए हैं. चेंज करना वो प्रगति की निशानी है.उसमें कोई खराब बात नहीं है. उस वक्त की परिस्थितियां कुछ और थीं आज की कुछ और हैं। उसके हिसाब से अगर कुछ चेंज करना है। तो संविधान एक व्यक्ति की मर्जी से तो चेंज होगा नहीं, सर्व सम्मति चाहिए होगी। अगर ऐसा कुछ होगा तो किया जाएगा। उन्होंने लिखा- दरअसल भाजपा संविधान को पलटकर गरीबों, वचितों, शोषितों, किसानों, युवाओं और महिलाओं के हक़-अधिकार व आरक्षण मारकर और पूंजीपतियों के हक में नीति-योजना बनाकर, सारा फ़ायदा-मुनाफ़ा अपने खेमे के कुछ गिने-चुने खरबपतियों को दे देना चाहती है। जो चुनावी-चंदे के नाम पर अपने बेशुमार फ़ायदे का हिस्सा भाजपाइयों को दे देते हैं।

बोले- भाजपा 400 पार की बात घबराहट में कर रही है

संविधान को बदलने वालों की जनता आंख निकाल लेगी : लालू यादव

पटना। राजद सुप्रीमो लालू यादव ने सोमवार को भाजपा को चेताते हुए कई बातें कही हैं। उन्होंने लोकसभा चुनाव में 400 पार का दावा करने को लेकर भी हमला बोला है। लालू ने संविधान बदलने की कोशिश का भी आरोप लगाया है। लोकसभा चुनाव को लेकर कहा कि काफी घबराहट है, ये (भाजपा) 400 पार की बात घबराहट में कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इनके नेता खुले में बोल रहे हैं कि हम संविधान को बदल देंगे। ये बाबसाहेब अंबेडकर के द्वारा बनाया गया संविधान है... जो भी संविधान को बदलने की कोशिश करेगा देश की वंचित, पिछड़े और गरीब जनता इनकी आंख निकाल लेगी। लालू यहीं नहीं रुके उन्होंने आगे कहा कि देश की जनता माफ नहीं करेगी। ये तानाशाही लाना चाहते हैं, संविधान को बदलने का मतलब है लोकतंत्र को बदलना। लालू यादव का ये बातें कहते हुए एक वीडियो राजद ने अपने हैंडल से एक्स पर साझा भी किया है। ऐसे में अब लालू यादव के इस बयान से बिहर में एक बार फिर पहले चरण के चुनाव से पहले सियासत तेज हो गई है।

बीजेपी ने की पार्टी तोड़ने की साजिश: पलानीस्वामी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। अन्नाद्रमुक महासचिव के. पलानीस्वामी ने सोमवार को आरोप लगाया कि भाजपा ने उनकी पार्टी को तोड़ने की कोशिश की लेकिन इसका पुरजोर विरोध किया गया। उन्होंने कहा भाजपा फूट डालो और राज करो की नीति के तहत अन्नाद्रमुक के खिलाफ दुष्प्रचार कर रही है। आगामी लोकसभा चुनाव से पहले पलानीस्वामी ने पार्टी कार्यकर्ताओं को पत्र लिखा। इसमें उन्होंने कहा कि अन्नाद्रमुक ने 1972 में अपनी स्थापना के बाद से कई चुनौतियों का सामना किया है। उन्होंने पार्टी से निष्कासित नेता ओ पनीरसेल्वम और उनके समर्थकों की ओर इशारा करते हुए कहा कि अन्नाद्रमुक नाम के खेत से अवांछित खरपतवार हा दिए गए हैं। हम अब कटाई के लिए तैयार हैं।

पलानीस्वामी ने कहा, एक राष्ट्रीय पार्टी होने के बावजूद भाजपा लोगों को बांटो और राज करो पर उतर आई है। उन्होंने कहा कि अपने चुनावी अभियान में वह हमारे खिलाफ झूठा प्रचार कर रही है। हमारी पार्टी को बांटने के लिए उनके द्वारा विभिन्न प्रयास किए गए, जिनका मुकाबला करने के बाद आज हम एकजुट हैं। क्या हम 1972 में पार्टी की स्थापना के बाद से सत्ता के अहंकार के कारण की गई हिंसा और नफरती व्यवस्था नहीं देख रहे हैं। क्या हम इन सभी कायरताओं पर काबू पाने में सफलता का स्वाद नहीं चख रहे हैं।

पीएम पकड़े गए, इसीलिए दे रहे इंटरव्यू : राहुल

» इलेक्टोरल बॉन्ड पर प्रधानमंत्री मोदी के बयान पर कांग्रेस सांसद का पलटवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा चुनावों को लेकर सियासी पारा हाई है और पूरे देश में सियासी हलचल काफी बढ़ गई है। इस बीच नेताओं द्वारा एक-दूसरे पर सियासी हमले और आरोप-प्रत्यारोप का दौर भी लगातार जारी है। इस बीच लोकसभा चुनाव 2024 से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को एक बड़ी न्यूज एजेंसी को इंटरव्यू दिया।

इस दौरान पीएम मोदी ने इलेक्टोरल बॉन्ड को लेकर भी बयान दिया। अब इस पर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने निशाना साधा है। राहुल गांधी ने कहा कि पीएम पकड़े गए हैं। इसी वजह से इंटरव्यू दे रहे हैं। राहुल गांधी ने कहा कि इलेक्टोरल बॉन्ड में नाम और तारीख जरूरी है। नाम और तारीख को देखकर पता लगेगा, जब उन लोगों ने बॉन्ड दिया है। पहले जांच एजेंसियां की कार्रवाई होती है, उसके एकदम बाद उन्हें पैसा मिलता है और एकदम बाद कार्रवाई बंद हो जाती है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि ये शुद्ध रूप से वसूली है। पीएम पकड़े गए हैं और अब इंटरव्यू दे रहे हैं।

केजरीवाल से हो रहा आतंकियों जैसा व्यवहार : मान

» तिहाड़ में मुख्यमंत्री से मुलाकात के बाद भावुक हुए पंजाब के सीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने तिहाड़ जेल में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल मुलाकात की। सीएम अरविंद केजरीवाल से मुलाकात के बाद पंजाब के सीएम भगवंत मान ने कहा, यह देखकर बहुत दुख हुआ कि उन्हें वे सुविधाएं नहीं मिल रही हैं, जो कट्टर अपराधियों को भी मिलती हैं। उनकी गलती क्या है उनके साथ ऐसा व्यवहार किया जा रहा है मानो आपने देश के सबसे बड़े आतंकवादियों में से एक को पकड़ लिया हो।

अरविंद केजरीवाल जो कट्टर ईमानदार हैं, जिन्होंने पारदर्शिता की राजनीति शुरू की और भाजपा की राजनीति खत्म की, उनके साथ ऐसा व्यवहार किया जा रहा है। मान ने कहा, जब मैंने पूछा कि वह कैसा काम कर रहे हैं तो उन्होंने कहा कि मेरे बारे में भूल जाओ, मुझे बताओ कि पंजाब में चीजें कैसे चल रही हैं? क्योंकि हम काम की राजनीति करते हैं। आप एक अनुशासित समूह है, हम सभी एक साथ हैं और खड़े हैं अरविंद केजरीवाल के साथ दृढ़ रहें। जब चार जून को नतीजे घोषित होंगे, तो आम आदमी पार्टी एक बड़ी राजनीतिक शक्ति के रूप में उभरेगी।

कोर्ट ने केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 23 अप्रैल तक बढ़ाई

आबकारी घोटाला से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोपित मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 23 अप्रैल तक के लिए राउज एवेन्यू कोर्ट ने बढ़ा दी। जांच एजेंसी ने 14 दिनों के लिए केजरीवाल की न्यायिक हिरासत बढ़ाने की मांग की थी। न्यायिक हिरासत समाप्त होने पर ईडी ने केजरीवाल को तिहाड़ जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राउज एवेन्यू की विशेष अदालत के समक्ष पेश किया था। कोर्ट ने 23 अप्रैल को भी केजरीवाल को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से ही पेश करने का आदेश दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने ईडी को भेजा नोटिस

केजरीवाल ने अपनी गिरफ्तारी और रिमांड को कोर्ट में चुनौती दी है। आज सुप्रीम कोर्ट में इस पर सुनवाई हुई। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने ईडी को 24 अप्रैल या उससे पहले अपना जवाब दाखिल करने को कहा है। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सीएम की याचिका फिलहाल 29 अप्रैल से शुरू होने वाले सप्ताह के लिए टाल दी है। अभिषेक मनु सिंघवी ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि दिल्ली सीएम को प्रचार से वंचित करने के लिए गिरफ्तारी की गई थी।

अब मोदी की गारंटी काम में आने वाली नहीं : मायावती

» पीलीभीत में भाजपा पर बरसीं बसपा सुप्रीमो

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पीलीभीत। पीलीभीत के बीसलपुर में चीनी मिल के सामने मैदान में चुनावी सभा में बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने सपा, कांग्रेस और भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की तरह ही भाजपा ने भी केंद्र की सारी जांच एजेंसियों का राजनीतिकरण कर दिया है। यूपी में हमारी पार्टी ने इनके सबके हितों का ध्यान रखा है।

किसानों के हित का ध्यान रखा। पीलीभीत शाहजहांपुर में काफ़ी संख्या में किसान हैं। भाजपा सरकार में किसान परेशान हैं। सरकार की गलत नीतियों के कारण किसान आए दिन आंदोलित रहता है। उन्होंने कहा कि बसपा ने किसानों के हितों का विशेष ध्यान रखा है। बसपा सुप्रीमो ने कहा कि पूर्व की कांग्रेस सरकार की तरह ही भाजपा जातिवादी, संप्रदाय और पूंजीवादी सोच से दलित, आदिवासियों, अल्पसंख्यकों का विकास नहीं हुआ। भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि इस बार इनकी जुमलेबाजी और नाटकबाजी नहीं चल रही है। अब गारंटी भी काम में आने वाली नहीं है। उन्होंने कहा कि देश की जनता की इस बात को समझ चुकी है कि इनकी पार्टी ने गरीबों, कमजोर तबकों, मध्यम वर्गों व अन्य मेहनतकश को अच्छे दिन के वायदे किए थे। हवा हवाई कागजी गारंटी भी दी है, लेकिन इन्होंने जमीनी स्तर पर एक चौथाई काम भी पूरा नहीं किया।

फिर शीर्ष पर पहुंचेगी बीएसपी : आनंद

उधर बहुजन समाज पार्टी के नेता और बसपा सुप्रीमो मायावती के उत्तराधिकारी आकाश आनंद ने दावा किया है कि आने वाला वक्त बीएसपी का है। उन्होंने कहा है कि हमने कभी भारतीय दनता पार्टी की मदद नहीं की। बसपा नेता ने दावा किया कि आने वाले वक्त में बसपा वहां पहुंचेगी जहां वह थी।

बामुलाहिजा
कार्टून: हसन जैदी

संकल्प पत्र को नकारेगी जनता मिलेगा बीजेपी का विकल्प!

बीजेपी व कांग्रेस का अपने-अपने वादे पूरा करने का भरोसा

» लोस चुनाव के घोषणा पत्रों पर वार-पलटवार

» मोदी की 24 गारंटियां, राहुल के 10 न्याय में होगी टक्कर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश की दोनों बड़ी पार्टियों ने अपने-अपने चुनावी वादों का पिटारा आमजन के लिए खोल दिया है। जहां कांग्रेस ने न्याय पत्र के माध्यम से पांच न्याय की गारंटी दी है तो वहीं बीजेपी ने मोदी की गारंटी के नाम पर 25 वादे कर डाले हैं। घोषणा पत्र के आमजन के बीच आते ही सियासत भी शुरू हो गई है। दोनों गठबंधनों ने अपने-अपने वादों को सही ठहराया है तो दूसरे के वादों को गलत कहना शुरू कर दिया है। कांग्रेस के न्याय पत्र को बीजेपी ने मुस्लिम लीग का दस्तावेज बताया तो कांग्रेस ने इसे चुनावी जुमला करार दिया है।

वहीं पूरे विपक्ष ने जोरशोर से कहा बीजेपी के संकल्प पत्र को देखकर 140 करोड़ लोग 4जून के बाद उसका विकल्प खड़ा कर देंगे, और देश में इंडिया गठबंधन की सरकार आएगी। 14 अप्रैल 2024 को बड़े धूमधाम के साथ लगातार तीसरी बार केंद्र में सरकार बनाने की हसरतें पाले बीजेपी ने लोकसभा चुनावों लिए संकल्प पत्र के नाम से अपना घोषणा पत्र जारी किया है। 14 अप्रैल को अपना घोषणापत्र जारी करते हुए बीजेपी ने वादा किया है कि अगर पार्टी तीसरी बार सत्ता में आई हो तो वो इफ्रास्टक्चर की मजबूती के साथ मैन्युफैक्चरिंग पर जोर देगी। इसके साथ ही छोटे बिजनेस के लिए ब्याज पर सब्सिडी के साथ कर्ज उपलब्ध कराएगी और   रोजगार का सृजण करेगी। इसके अलावा बीजेपी ने अपने संकल्प पत्र में बुनियादी ढांचे को मजबूत को बढ़ावा देने के साथ 28 किलोमीटर प्रति दिन की रफ्तार से नाशनल हाइवे का निर्माण करने, तीन नए हाई स्पीड बुलेट ट्रेन के साथ मेट्रो नेटवर्क के विस्तार करने का वादा किया है। पत्र में तीन प्रकार के वंदेभारत ट्रेन चलाने की भी षोणा की गई है। 19 अप्रैल से सात चरणों में होने वाले लोकसभा चुनावों के लिए मतदान की प्रक्रिया शुरू होना जा रही है और 4 जून 2024 को नतीजे घोषित होंगे। बीजेपी और पीएम मोदी 2024 को लोकसबा चुनावों में 400 सीटें हासिल करने का दावा कर रहे हैं। तो विपक्ष भी बेरोजगारी, महंगाई और आर्थिक असामनता को मुद्दा उठाकर मोदी सरकार को चुनावों में घेरने की कोशिशों में जुटी है। भाजपा के घोषणापत्र में कई बड़े-बड़े एलान किए गए हैं। भाजपा के घोषणापत्र में 24 गारंटियां दी गई है। जिनमें गरीब परिवारों की सेवा की गारंटी, मध्यम वर्ग को गारंटी, नारी शक्ति के सशक्तिकरण की गारंटी, युवाओं को अवसर की गारंटी, वरिष्ठ नागरिकों को वरीयता की गारंटी, किसानों को सम्मान की गारंटी, मतस्य पालकों को गारंटी, श्रमिकों को सम्मान की गारंटी, एमएसएमई, छोटे व्यपारियों के सशक्तिकरण की गारंटी, सबका साथ-सबका विकास की गारंटी, विश्वबंधु भारत की गारंटी, सुरक्षित भारत की गारंटी, समृद्ध भारत की गारंटी, देश को ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग का हब बनाने की गारंटी, विश्वस्तरीय इफ्रास्टक्चर र, ईज ऑफ लिविंग की गारंटी, विरासत भी विकास की भी गारंटी, सुशासन की गारंटी, स्वस्थ भारत की गारंटी, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की गारंटी दी है।

कांग्रेस के घोषणापत्र की बड़ी बातें

बीते हफ्ते कांग्रेस ने अपना घोषणापत्र जारी किया था। कांग्रेस के घोषणापत्र को न्याय पत्र नाम दिया गया, जिसमें तमाम वर्गों के लिए न्याय पर जोर दिया गया। जिनमें महिलाएं, युवा, किसान, गरीब आदि शामिल हैं। कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में राष्ट्रव्यापी आर्थिक-सामाजिक न्याय जनगणना का एलान किया। साथ ही अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग और गरीब सामान्य वर्ग को मिलने वाले आरक्षण की सीमा को 50 फीसदी से बढ़ाने का वादा किया। कांग्रेस ने स्वामीनाथन आयोग की सिफारिश के अनुसार सरकार द्वारा घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य को कानूनी गारंटी देने का एलान किया है। कांग्रेस ने पहली नौकरी गारंटी देने के लिए अप्रेंटिस एक्ट 1961 को हटाकर अप्रेंटिसशिप अधिकार अधिनियम लाने का एलान किया। जिसके तहत 25 साल से कम उम्र के प्रत्येक डिप्लोमाधारक या कॉलेज स्नातक को निजी या सरकारी कंपनी में एक साल की ट्रेनिंग दी जाएगी। कानून के तहत प्रशिक्षु को एक लाख रुपये प्रतिवर्ष का मानदेय भी दिया जाएगा। नौकरी की परिक्षाओं के पेपर लीक के मामलों में निपटारा करने के लिए फास्ट ट्रैक अदालतों के गठन और पीड़ितों को आर्थिक मुआवजा देने का भी वादा किया गया है। साथ ही केंद्र सरकार में विभिन्न स्तरों पर स्वीकृत करीब 30 लाख रिक्त पद भरे जाएंगे। प्रत्येक गरीब भारतीय परिवार को बिना शर्त नकद हस्तांतरण के रूप में एक लाख रुपये प्रति वर्ष देने के लिए महालक्ष्मी योजना शुरू करने का संकल्प लिया गया है। 2025 से केंद्र सरकार की 50 प्रतिशत नौकरियां महिलाओं के लिए आरक्षित की जाएंगी। साथ ही महिलाओं के लिए समान काम, समान वेतन के सिद्धांत को लागू किया जाएगा। 2025 से महिलाओं को विधानसभाओं में एक तिहाई आरक्षण दिया जाएगा। सरकारी स्कूलों में कक्षा 1 से लेकर कक्षा 12 तक शिक्षा निशुल्क और अनिवार्य बनाने के लिए शिक्षा का अधिकार कानून को संशोधित किया जाएगा। कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में संविधान की दसवीं अनुसूची में संशोधन कर दलबदल करने वाले विधायकों व सांसदों की सदस्यता स्वतः समाप्त होने का प्रावधान किया जाएगा। पुलिस, जांच और खुफिया एजेंसियां सख्त कानून के अनुसार काम करेंगी।

अहम मुद्दों पर भाजपा चर्चा तक नहीं करना चाहती : राहुल

भारतीय जनता पार्टी के मेनिफेस्टो को लेकर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सवाल खड़े किए हैं। राहुल ने एक्स हैंडल पर पोस्ट कर लिखा कि भाजपा के मेनिफेस्टो और नरेंद्र मोदी के भाषण से दो शब्द गायब हैं - महंगाई और बेरोजगारी। लोगों के जीवन से जुड़े सबसे अहम मुद्दों पर भाजपा चर्चा तक नहीं करना चाहती। इंडिया का प्लान बिलकुल स्पष्ट है - 30 लाख पदों पर भर्ती और हर शिक्षित युवा को 1 लाख की पक्की नौकरी। युवा इस बार मोदी के झांसे में नहीं आने वाला, अब वो कांग्रेस का हाथ मजबूत कर देश में 'रोजगार क्रांति' लाएगा।

भाजपा के घोषणापत्र की बड़ी बातें

भाजपा ने एलान किया है कि 80 करोड़ परिवारों को पांच और साल मुफ्त राशन स्कीम का फायदा दिया जाएगा। 70 साल से ज्यादा के सभी बुजुर्गों को आयुष्मान योजना में लाने का वादा किया गया है। साथ ही ट्रांसजेंडर्स को भी इस योजना के दायरे में लाया जाएगा। भाजपा ने एलान किया है कि हर गरीब को पक्का घर देने की योजना जारी रहेगी। अब तक चार करोड़ घर बनाए गए हैं और आने वाले दिनों में तीन करोड़ घर और बनाए जाएंगे। अभी सस्ते सिलेंडर घर-घर पहुंचाए हैं, अब पाइप से सस्ती रसोई गैस घर-घर भेजी जाएगी।भाजपा ने वादा किया है कि एक देश, एक चुनाव के वादे के साथ आगे बढ़ेंगे। साथ ही भाजपा ने देशहित में समान नागरिक संहिता लागू करने की संभावनाएं तलाशने की भी बात कही है। भाजपा ने पूरे देश में वंदे भारत ट्रेनों का विस्तार करने का वादा किया है। वंदे भारत ट्रेनों के तीन मॉडल देश में संचालित होंगे, जिनमें वंदेभारत स्लीपर, वंदे भारत चेयरकार और वंदे भारत मेट्रो शामिल होंगी। अहमदाबाद-मुंबई बुलेट ट्रेन का काम लगभग पूरा होने वाला है। उत्तर भारत में भी बुलेट ट्रेन चलाई जाएगी। साथ ही दक्षिण भारत और पूर्वी भारत में भी बुलेट ट्रेन चलाई जाएगी। भाजपा ने सभी को स्वास्थ्य बीमा का लाभ देने का भी वादा किया है। साथ ही मछुआरों को भी स्वास्थ्य बीमा योजना का लाभ दिया जाएगा।भाजपा ने घोषणा पत्र में बताया कि एक करोड़ ग्रामीण महिलाओं को लखपति दीदी बनाकर सशक्त किया है। अब तीन करोड़ ग्रामीण महिलाओं को लखपति बनाने का वादा किया है। औद्योगिक और व्यवसायिक क्षेत्रों में कामकाजी महिलाओं के लिए हॉस्टल का निर्माण किया जाएगा, जिसमें शिशुगृह जैसी सुविधाएं भी होंगी। भाजपा ने मुद्रा योजना के विस्तार का वादा किया है। इसके तहत तरुण श्रेणी में समय पर लोन चुकाने वाले उद्यमियों के लिए मौजूदा क्रेडिट सीमा को बढ़ाकर 20 लाख रुपये किया जाएगा। भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने, योग, आयुर्वेद, भारतीय भाषाओं, शास्त्रीय संगीत के प्रशिक्षण देने के लिए दुनियाभर में तिरुवल्लुवर सांस्कृतिक केंद्र स्थापित किए जाएंगे। पिछले 10 वर्षों में 31 हजार किलोमीटर रेलवे पटरियों का निर्माण किया गया है। अगले कुछ वर्षों में हर साल 5 हजार किलोमीटर नई पटरियां जोड़ी जाएंगी। भारत नेट से देश की 2 लाख से अधिक ग्राम पंचायतों को ब्रॉडबैंड से जोड़ा गया है। आने वाले समय में सभी ग्राम पंचायतों को भारत नेट से जोड़ा जाएगा। किसानों के लिए भाजपा ने कीटनाशकों के प्रयोग, सिंचाई, मिट्टी की गुणवत्ता, मौसम पूर्वानुमान जैसी कृषि संबंधी गतिविधियों के लिए एक स्वदेशी भारत कृषि सैटेलाइट लॉन्च करने का एलान किया है। ट्रक ड्राइवरों के लिए एक नई योजना शुरू करके राष्ट्रीय राजमार्गों पर उनके लिए आधुनिक सुविधाएं विकसित की जाएंगी। छोटे व्यापारियों और एमएसएमई को आग, चोरी, प्राकृतिक आपदाओं जैसी दुर्घटनाओं से बचाने के लिए किफायती बीमा प्रोडक्ट्स शुरू किए जाएंगे। साल 2025 को भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जन्म जयंती के चलते जनजातीय गौरव वर्ष के रूप में मनाया जाएगा।

संकल्प पत्र से इंवेस्टमेंट बैंक भी निराश

दुनिया की दिग्गज इंवेस्टमेंट बैंक सिटी को बीजेपी का संकल्प पत्र रास नहीं आ रहा है। सिटी ने एक नोट में लिखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भारतीय जनता पार्टी ने जो घोषणा पत्र जारी किया है उसने श्रम और भूमि सुधार जैसे स्ट्रचरल यानि संरचनात्मक आर्थिक सुधारों को लेकर कुछ भी नहीं कहा गया है। सिटी के अर्थशास्त्रियों समीरम चक्रवर्ती और बाबर जैदी ने अपने नोट में लिखा कि भूमि, श्रम, कृषि, निजीकरण, विदेशी निवेश को आकर्षित करने जैसे विवादास्पद सुधारों को लेकर घोषणा पत्र में कुछ भी नहीं कहा गया जो कि थोड़ी निराशा पैदा कर रही है। हालांकि दोनों अर्थशास्त्रियों ने उम्मीद जाहिर करते हुए कहा कि इसकी घोषणा बाद में की जा सकती है। सिटी ने अपने नोट में लिखा कि ये घोषणा पत्र बदलाव की जगह सरकार की नीति को आगे भी जारी रखने पर जोर दे रहा है। सिटी के अर्थशास्त्रियों ने कहा कि घोषणा पत्र में भारत को दुनिया के दिग्गज मैन्युफैक्करिंग हब बनाने की ओर इशारा कर रहा है।

बीजेपी के पास जनता को देने के लिए है ही क्या : खरगे

बीजेपी के संकल्प पत्र को लेकर विपक्ष की भी प्रतिक्रिया सामने आई है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि इस घोषणापत्र से साफ होता है कि बीजेपी के पास जनता को देने के लिए कुछ नहीं है।

पिछड़े और गरीब राज्यों के लिए कुछ नहीं : तेजस्वी

राजद नेता और पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने भी घोषणा पत्र पर सवाल उठाए हैं। तेजस्वी ने कहा कि कि घोषणाप पत्र में कहीं भी नौकरी और रोजगार का जिक्र नहीं है। ना ही महंगाई, बेरोजगारी और गरीबी को हटाने अथवा कम करने का जिक्र है। भाजपा के घोषणाप पत्र में देश के युवाओं, किसानों और देश के लगभग लाखों गांवों के लिए कुछ भी नहीं है। पिछड़े और गरीब राज्यों के विकास एवं उत्थान के लिए भी इसमें कुछ नहीं है। जिन राज्यों से लोकसभा के सबसे अधिक सांसद आते है उन राज्यों के विकास के लिये कुछ भी नहीं है। ये अपने में नौकरी, रोजगार, युवा, किसान, जवान और गांव को पूर्णतः भूल गए है।

भारत में गरीबों के लिए प्रगति करना कठिन हो गया : अमर्त्य सेन

अर्थशास्त्र के नोबेल पुरस्कार से सम्मानित अमर्त्य सेन ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)-नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार की आर्थिक नीतियों को लेकर उसकी भी आलोचना की। सेन ने दावा किया कि व्यापक निरक्षरता और असाधारण लैंगिक असमानता के कारण भारत में गरीबों के लिए प्रगति करना कठिन हो गया है। उन्होंने कहा, भारत के शासक वर्ग अमीरों के हितों का ध्यान रखते हैं। व्यापक निरक्षरता, आमतौर पर खराब स्वास्थ्य और असाधारण लैंगिक असमानता भारतीय गरीबों के लिए प्रगति का रास्ता मुश्किल बना देती है।

विपक्ष के इस दावे के बारे में पूछे जाने पर कि भाजपा सत्ता में लौटने पर संविधान बदल सकती है, इस पर सेन ने कहा कि देश का संविधान बदलने से सरकार के एकल धर्म केंद्रित होने की पुष्टि के अलावा कोई उद्देश्य पूरा नहीं होगा। उन्होंने कहा कि इससे भारत के आम नागरिकों को फायदा नहीं होगा। विपक्ष द्वारा जाति जनगणना को महत्वपूर्ण चुनावी मुद्दा बनाने पर सेन ने कहा कि भारत को अपने वंचित वर्गों के लिए अधिक सशक्तीकरण की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, जाति जनगणना पर विचार किया जा सकता है, लेकिन भारत को बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और लैंगिक समानता के माध्यम से वंचितों के लिए अधिक सशक्तीकरण की आवश्यकता है। हार्वर्ड विश्वविद्यालय में प्रोफेसर सेन ने कहा, भारत धर्मनिरपेक्ष संविधान के साथ एक धर्मनिरपेक्ष देश है, लेकिन केवल हिंदू पहचान पर ध्यान केंद्रित कर अधिकांश हिंदुओं के लिए आसान हो सकता है परंतु यह भारत की धर्मनिरपेक्ष जड़ों और बहुसांस्कृतिक प्रकृति के साथ विश्वासघात है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

भारत में आर्थिक कारणों से घायल हो रहा बचपन!

> बहुत सारे बच्चों का बचपन होटलों पर काम करते या जूठे बर्तन धोते हुए या फिर काल कोठरियों में जीवन बिताते हुए कट जाता है। बच्चे को बेचे और खरीदे जाने में जितने लोग, जिस तरह शामिल होते थे, वह नये बनते भारत के भाल पर एक बदनुमा दाग है। क्यों कानून का डर ऐसे अपराधियों को नहीं होता? क्यों सरकारी एजेंसियों की सख्ती भी काम नहीं आ रही है और लगातार ऐसी घटनाएं बढ़ती जा रही हैं।

एक तरफ सत्ता में बैठे लोगा देश को दुनिया का तीसरा सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बनाने का दम भर रहे हैं वहीं इसे देश की विडंबना कहें या दुर्भाग्य कि आज बहुत से अजन्मे मासूम तो मां के गर्भ में आते ही जीवन-मृत्यु से जूझने लगते हैं। यों भी कह सकते हैं कि उनका जीवन आज अंधेरे में कट रहा है, दुनिया की तीसरी आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर भारत का बचपन आर्थिक कारणों से घायल है। जन्म लेने के बाद इस देश में बच्चों को बेच दिया जाता है या ऐसे बच्चों का एक बहुत बड़ा वर्ग चौराहों, रेलवे स्टेशन, गली-मोहल्ले में भीख मांगता मिल जाएगा। बहुत सारे बच्चों का बचपन होटलों पर काम करते या जूठे बर्तन धोते हुए या फिर काल कोठरियों में जीवन बिताते हुए कट जाता है। बच्चे को बेचे और खरीदे जाने में जितने लोग, जिस तरह शामिल होते थे, वह नये बनते भारत के भाल पर एक बदनुमा दाग है। क्यों कानून का डर ऐसे अपराधियों को नहीं होता? क्यों सरकारी एजेंसियों की सख्ती भी काम नहीं आ रही है और लगातार ऐसी घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। यहां प्रश्न कार्रवाई का नहीं है, प्रश्न है कि ऐसी विकृत एवं अमानवीय सोच क्यों पनप रही है? पिछले साल संसद में पेश राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट के मुताबिक देश में 2021 में हर दिन औसतन आठ बच्चों की तस्करी हुई।

देश के ही भीतर यह तस्करी होती है लेकिन संगठित गिरोह कुछ बच्चों की खाड़ी और दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों में भी तस्करी करते हैं। एनसीआरबी के मुताबिक 2019 से 2021 के बीच देश में 18 साल से कम उम्र की 2.51 लाख लड़कियां लापता हुई। इनमें से ज्यादातर मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ और ओडिशा की थी। बचपन अगर बाल तस्करी के बीच फंसकर रह जाए तो बच्चा अपने बचपन, क्षमता और मानवीय गरिमा के साथ-साथ शारीरिक और मानसिक विकास से भी वंचित रह जाता है। गौरतलब है कि बच्चों के घरेलू काम, विभिन्न क्षेत्रों में बाल श्रम, भीख मांगना, अंग तस्करी और व्यावसायिक यौनकर्म जैसी अवैध गतिविधियां बाल तस्करी की कोख से ही जन्म लेती हैं। बाल तस्करी एवं बच्चों की खरीद-फरोश्त के अनेक कारण हैं। निसंतान दंपतियों द्वारा बच्चों को खरीदना एकमात्र कारण नहीं है बल्कि गरीबी, अशिक्षा, आर्थिक विषमता, सुविधावादी जीवनशैली, भौतिकवाद, बच्चों की अधिक संख्या, बेरोजगारी भी बड़ा कारण है। सरकार और समाज को इससे मिलकर निपटना होगा। इस समस्या की जड़ में गरीबी भी है। इसे ध्यान में रखते हुए ऐसी व्यावहारिक और ठोस नीति बनाई जानी चाहिए कि बाल तस्करी के समूल उन्मूलन की जमीन तैयार है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

वंचितों के अधिकारों हेतु संघर्ष रहा मकसद

डॉ. केएल जौहर

अक्सर डॉक्टर अंबेडकर और उनके निर्देशन में निर्मित संविधान चर्चा का विषय बने रहते हैं। वर्तमान हालात में भी विपक्ष सोचता है कि यदि मौजूदा सरकार फिर सत्ता में आई तो वह इस संविधान को बदल डालेगी परन्तु सरकार इस बात से इंकार करती रही है। भारतीय लोकतांत्रिक प्रणाली में ऐसे मुद्दों पर आशंकाएं व चर्चा होना स्वाभाविक भी है। फिलहाल, इस स्थिति को यहीं छोड़ते हुए बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के व्यक्तित्व पर ध्यान देना समीचीन होगा। भीमराव अंबेडकर एक महान व्यक्तित्व के धनी थे। एक निर्धन परिवार से थे परन्तु अपनी तीक्ष्ण बुद्धि, गहन ज्ञान और छात्रवृत्ति के बलबूते उनकी सारी उच्च शिक्षा अमेरिका स्थित कोलंबिया यूनिवर्सिटी और फिर ब्रिटेन में हुई। उन्होंने अर्थशास्त्र में पीएचडी की उपाधि के साथ कानून की शिक्षा भी प्राप्त की। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि वे बीसवीं शताब्दी में सबसे अधिक पढ़े-लिखे विद्वान थे।

डॉ. भीमराव अंबेडकर ने अमेरिका और लंदन में सब जातियों में बराबरी और भाईचारे का अनुभव किया परन्तु जब वे 1917 में भारत लौटे तो एक विचित्र नक्शा उनकी आंखों के सामने आया। जाति, धर्म, भाषा के भेदभाव ने उनकी आत्मा को झकझोर कर रख दिया। हालांकि वे काफी हद तक तो इस समस्या को अपनी बाल्यावस्था में ही देख चुके थे। संविधान के 'जनक' कहे जाने वाले डॉ. भीमराव अंबेडकर का जन्म 14 अप्रैल, 1891 को मध्य प्रदेश में हुआ। उनके साथ स्कूल में बहुत भेदभाव किया जाता था। यहां तक कि उनको कक्षा से दूर बैठाया जाता। वे उस नल से पानी भी नहीं पी सकते थे जिससे आम विद्यार्थी पीते थे। जल्दी ही वे मध्य प्रदेश से महाराष्ट्र चले गए जो फिर जीवनभर उनकी कार्यस्थली रही। इसके बाद तो उन्होंने समाज सुधार का बीड़ा भी उठा लिया। अनुसूचित जातियों का उत्थान उनका एकमात्र लक्ष्य बन गया था। इस आशय को लेकर उनके कई लेख समाचारपत्रों में प्रकाशित हुए। डॉ. अंबेडकर ने कई पत्रिकाओं का भी प्रकाशन किया जिनमें मूकनायक, बहिष्कृत भारत और जनता प्रमुख हैं। उन्होंने 'बहिष्कृत हितकारिणी सभा' का गठन किया और अनुसूचित जातियों की दशा पर विस्तृत प्रकाश डाला।

वे मानते थे कि हिन्दू धर्म ग्रन्थ मनुस्मृति ही इस भेदभाव का मूल सूत्रधार है। देशभर में घूमकर उन्होंने अनुसूचित जातियों के साथ भेदभाव का मुद्दा उठाया। डॉक्टर अंबेडकर महात्मा गांधी से इस बात को लेकर रुष्ट थे कि उन्होंने अनुसूचित जातियों के कल्याण के लिए कुछ खास व पर्याप्त नहीं किया। उन दिनों जब गांधी जी के नेतृत्व से कोई बड़े से बड़ा नेता भी उलझ नहीं पाता था, अंबेडकर ने अपनी आवाज उठाई। अब तक अंबेडकर अनुसूचित जातियों के नेता के रूप में अपनी पहचान बना चुके थे। उन्हें 1930, 1931 और 1932 की गोलमेज कान्फ्रेंस में आमंत्रित किया गया। गांधीजी ने विरोध किया परन्तु सब बेअसर। गोलमेज कान्फ्रेंस के उपरांत 'कम्युनल अवार्ड' की घोषणा हुई। गांधी जी देशद्रोह के आरोप में जेल में बंद थे। उन्होंने आमरण अनशन आरंभ कर दिया। अब तो सारा देश अंबेडकर पर दबाव डालने लगा कि वह गांधी जी से मुलाकात करें। अंततः यह मुलाकात 22 सितम्बर, 1932 को हुई और पूना पैक्ट के रूप में एक समझौता सामने आया। गांधी जी की जान बच गई जबकि अंबेडकर अनुसूचित जातियों के लिए सुरक्षित क्षेत्र लेने में सफल हुए। फिर भी गांधी और अंबेडकर में मनमुटाव तो जारी ही रहा। बहरहाल, यह गौर करने लायक बात है कि अंबेडकर ने एक दिन भी स्वतंत्रता संग्राम में जेल नहीं काटी। देश-समाज की सेवा व उन्नयन का मकसद साधने का उनका तरीका अलग ही था। दरअसल, उनके बड़े हथियार थे- अनुसूचित जातियों का नेतृत्व, तीक्ष्ण बुद्धि और कानून पर पकड़। इसी बलबूते बाद में उन्हें संविधान के प्रारूप कमेटी के अध्यक्ष के रूप में एक तरह से संविधान निर्माण हेतु आमंत्रित किया गया। जो संविधान हम आज देखते हैं वो बाबा साहेब अंबेडकर की देन है।

उनकी कानून पर पकड़ और सूझ-बूझ को देखते हुए पंडित नेहरू ने उनको अपनी सरकार में सम्मिलित किया। वे 1951 तक कानून मंत्री रहे परन्तु फिर पंडित नेहरू से गंभीर मतभेद होने पर अपने पद से त्यागपत्र दे दिया।

वर्ष 1952 में लोकसभा के लिए चुनाव में सफलता नहीं मिली। राज्यसभा के लिए मनोनीत किये गए परन्तु चुनाव की राजनीति से दिल उकता गये। वे अस्वस्थ रहने लगे। वहीं उनकी इच्छा के अनुसार अनुसूचित जातियों का उत्थान भी नहीं हो रहा था। उन्होंने लाखों अनुयायियों के साथ 14 अक्टूबर, 1956 में नागपुर में बौद्ध धर्म अपनाया। फिर 6 दिसंबर को उनका देहांत हो गया। साल 1990 में उन्हें भारत के सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार 'भारत रत्न' से नवाजा गया। हजारों कॉलेज, स्कूल और विश्वविद्यालय डॉ. अंबेडकर के नाम पर स्थापित किये गए। देश-विदेश में इनकी पहचान बनी। ऐसे व्यक्तित्व के धनी डॉ. भीमराव अंबेडकर भारतवर्ष के इतिहास में सदैव अमर रहेंगे।

व्यापक तार्किक चिंतन आधारित हो जनकल्याण

सुरेश सेठ

> पिछले दिनों देश में मनरेगा की दरें बढ़ाने के वादे हुए। लेकिन आर्थिक विषयों के मर्मज्ञ अभी तक यह जान नहीं पाए कि मनरेगा जैसी योजना जिसमें वर्ष में बेरोजगार परिवार के एक सदस्य को 100 दिन का रोजगार दिया जाता है। आखिर उसके उत्पादन के किसी निर्दिष्ट लक्ष्य से क्यों नहीं जोड़ा जाता? क्यों लार्ड केन्स की थ्योरी ही चलती है कि सार्वजनिक निवेश करो चाहे गड्ढे खोदने और उन्हें भरने का ही काम क्यों न हो?

आम चुनावों की घोषणा के बाद से ही वादे गारंटियों में बदल रहे हैं और गारंटियां बहुवचन में। एक दल अपनी गारंटी के पक्का होने की बात करता है, दूसरा दल कई गुना गारंटियों का दावा करता है। आम आदमी चाहता है कि उसे अपनी शिक्षा और योग्यता के अनुसार उचित नौकरी की गारंटी मिले। देश में भ्रष्टाचार का सफाया हो। देश में किसी को भूखा नहीं मरने दिया जाएगा। पिछले दिनों देश में मनरेगा की दरें बढ़ाने के वादे हुए। लेकिन आर्थिक विषयों के मर्मज्ञ अभी तक यह जान नहीं पाए कि मनरेगा जैसी योजना जिसमें वर्ष में बेरोजगार परिवार के एक सदस्य को 100 दिन का रोजगार दिया जाता है। आखिर उसके उत्पादन के किसी निर्दिष्ट लक्ष्य से क्यों नहीं जोड़ा जाता? क्यों लार्ड केन्स की थ्योरी ही चलती है कि सार्वजनिक निवेश करो चाहे गड्ढे खोदने और उन्हें भरने का ही काम क्यों न हो? लेकिन ऐसा काम क्यों? आखिर मनरेगा के समकक्ष निर्माण योजनाएं क्यों सामने नहीं आतीं?

अभी जो नई घोषणाएं हुई हैं उनमें हर चुनावी दल के एजेंडे में महिलाओं को प्रति माह 1 हजार से 15 सौ रुपये देने के वादे हैं। मुफ्त राशन है, मुफ्त बिजली है और मुफ्त चिकित्सा भी। लेकिन अर्थशास्त्री कहते हैं कि इस तरह की उदारवादी घोषणाओं से राज्य अपनी आय प्राप्ति की सीमा से बाहर चले जाते हैं। अपने वादों या गारंटियों को पूरा करने के लिए उन्हें कर्ज चुकाने पड़ते हैं। हर कर्ज पर ब्याज अदा करना पड़ता है और मूल की वापसी भी करनी पड़ती है। देश में कर्जदार राज्य तो लगभग सभी हैं, लेकिन केरल जैसा पढ़ा-लिखा राज्य भी कर्ज के बोझ से कुछ इस तरह दब गया कि उसे अतिरिक्त कर चुकाने हेतु 10 हजार करोड़ की वित्तीय सहायता के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाना पड़ा है। पहले यह रुपया केन्द्र से मांगा था, केन्द्र ने मना कर दिया कि इस पर तो पहले ही बहुत कर्ज है।

इस दिशा में पंजाब और केरल में भी कई समानताएं नजर आती हैं। 13वें वित्तीय आयोग ने तीन राज्यों को कर्ज के जाल में फंसने के बारे में चेताया था। उन्हें इस जाल से बाहर आने के लिए वित्तीय सुधार के निर्देश दिए थे। ये राज्य थे केरल, पंजाब और पश्चिम बंगाल। अब राजनीति के तकाजे ये हैं कि मुफ्तखोरी की घोषणाएं निरंतर करनी पड़ती हैं। पंजाब का यह हाल है कि उसे अपने ग्रामीण विकास फंड का 6 हजार करोड़ रुपया केन्द्र से लेने के लिए भी सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाना पड़ रहा है। हालांकि, केरल राजस्व प्राप्ति में पंजाब से आगे है लेकिन वहां कल्याणकारी राज्य कहलाने के लिए कर्जे भी अधिक लिए जा रहे हैं। दूसरी ओर पंजाब पर भी 3,23,135 करोड़ रुपये का कर्ज हो गया है। अगले वर्ष में यह घटने की बजाय 3,53,600 करोड़ हो जाएगा। दरअसल, निःशुल्क बिजली , बसों की मुफ्त यात्रा और अन्य रियायतों की योजनाएं राज्यों की अर्थव्यवस्था पर भारी पड़ रही हैं। वैसे राज्य सरकारों का मुख्य राजस्व तो वेतन, पेंशन और ब्याज चुकाने पर ही खर्च हो जाता है। जनता के लिए लोकलुभावन घोषणाओं को पूरा करने के वास्ते अधिक से अधिक कर्ज उठाया जाता है। यह नीति बदलनी होगी। पहले हर राज्य यह समझ लें कि जो कर्ज वह केन्द्र या रिजर्व बैंक से ले रहा है, वो अंततः उसे चुकाना है। मूलधन ही नहीं, ब्याज सहित भी। इसमें कोई रियायत नहीं होगी।

दरअसल, कर्ज का जाल तो हर देश, हर राज्य के लिए जंजाल है। इससे जूझने के उपाय भी उत्पादन और निवेश की धरातल पर होने चाहिए। केंद्र व शीर्ष न्यायपालिका ने मुफ्त बिजली और अन्य मुफ्त सुविधाएं देने वाले राज्यों को कर्ज के जाल में फंसने की चेतावनी दी है। लेकिन शायद यह दलगत या राजनीतिगत मजबूरी है कि वोटर वर्ग को आकर्षित करने के लिए हर दल दूसरे से आगे बढ़कर ऐसी लोकलुभावन घोषणाएं करता है। पहले जनकल्याण की जिम्मेदारी सार्वजनिक क्षेत्र को दी गई थी। इसके लिए दो साल पहले भारत की वित्तमंत्री ने घोषणा भी की थी कि अब बजट में बुनियादी उद्योगों पर निवेश में ही प्राथमिकता दी जाए ताकि देश में दीर्घकालीन और स्थायी विकास का आधार बने।

विडंबना है कि लोकलुभावन घोषणाएं अतिरिक्त उत्पादन या निवेश का परिणाम नहीं होतीं, उससे देश की जीडीपी से लेकर देश के रोजगार में अतिरिक्त वृद्धि भी नहीं होती। हां, इतना अवश्य है कि राज्यों पर कर्ज का बोझ बढ़ जाता है। जो अंततः उनके हाथ बांध देता है क्योंकि उन्हें कर्ज तो अंततः चुकाने ही पड़ते हैं। जरूरी हो गया है कि नवनिर्माण के इस अवधि काल में सरकारें रियायती नीतियों की जगह निर्माण और निवेश युग की ओर पलटें। लघु और कुटीर उद्योगों में उचित निवेश किया जाए क्योंकि सबसे अधिक रोजगारपरक ये उद्योग ही होते हैं। जब समाज के अंतिम आदमी को रोजगार मिलेगा और उसकी आय में वृद्धि होगी तो उसकी मांग बढ़ेगी। यह मांग निवेशकों और उत्पादकों के लाभ का आधार होगी। इसलिए जनकल्याण योजनाओं को सुदृढ़ आर्थिक चिंतन के आधार पर खड़ा करें।

गर्मियों में इन जगहों पर घूमने का बनाएं प्लान

कश्मीर

मार्च-अप्रैल में कश्मीर आकर यहां हरी-भरी वादियों का दीदार कर सकते हैं। इसे क्यों 'धरती का स्वर्ग' कहा जाता है, इसका अंदाजा आपको यहां आकर ही लगेगा। मानसून को छोड़कर कश्मीर घूमने का आप कभी भी प्लान बना सकते हैं, लेकिन सर्दियों में ये जगह पूरी तरह से बर्फ से ढ़क जाती है, जिस वजह से कई बार घूमने-फिरने मुश्किल हो जाता है, लेकिन अप्रैल एकदम बेस्ट है। पहलगाम, गुलमर्ग, सोनमर्ग जैसी कई जगहें हैं, जहां की खूबसूरती अद्भुत है।

अप्रैल के महीने में गर्मियों की पूरी तरह से शुरुआत हो जाती है। ऐसे में इससे राहत पाने के लिए लोग पहाड़ों का रूख करते हैं जिसमें टॉप पर है उत्तराखंड और हिमाचल। लेकिन मार्च- अप्रैल से भारत में गर्मियों की शुरुआत हो जाती है। ऐसी गर्मियां जिससे राहत पाने के लिए लोग छुट्टियां मिलते ही हिल स्टेशन्स जाना पसंद करते हैं। दिल्ली के आसपास रहने वालों को तो उत्तराखंड और हिमाचल ही सबसे बेस्ट डेस्टिनेशन लगता है, लेकिन इसी वजह से इन जगहों पर सबसे ज्यादा भीड़ भी रहती है और अगर कहीं आपने लॉन्ग वीकेंड में यहां जाने का प्लान कर लिया, तब तो कई घंटे ट्रैफिक में ही गुजारने पड़ते हैं और इस दौरान यहां होटल्स भी फुल रहते हैं। जिस वजह से सही तरह से एन्जॉयमेंट नहीं हो पाती। ऐसे में इन जगहों का प्लान बनाएं जहां देखने को मिलता है अलग ही नजारा।

पचमढ़ी

अगर आप हिल स्टेशन्स ही जाना चाहते हैं, लेकिन जहां भीड़ न हो और न ही रहने की मारामारी, तो मध्य प्रदेश के एकमात्र हिल स्टेशन पचमढ़ी का भी प्लान कर सकते हैं। सतपुड़ा की पहाड़ी पर स्थित पचमढ़ी की चोटियों से दूर-दूर तक हरियाली का नजारा आपको मंत्रमुग्ध कर देगा। पचमढ़ी आकर आपको प्रकृति के करीब होने का एहसास होगा। पचमढ़ी में आपको कई सारे वाटरफॉल्स और गुफाएं देखने को मिलेंगी। अगर आप ट्रेकिंग के शौकीन हैं, तो यहां उसका भी मौका मिलेगा।

ऊटी

ऊटी सिर्फ हनीमून डेस्टिनेशन नहीं, बल्कि यहां आप फैमिली या फ्रेंड्स के साथ आकर भी धमाल-मस्ती कर सकते हैं। प्राकृतिक खूबसूरती से भरपूर ये जगह एडवेंचर लवर्स को भी बेहद पसंद आएगी। ऊटी घूमने का सीजन अप्रैल से ही शुरू होता है। वैसे तो यहां घूमने वाली जगहों की कोई कमी नहीं, लेकिन यहां आकर डोड्डाबेट्टा पीक और टाइगर हिल्स को देखना मिस न करें और हां, चाय के बागानों की फोटोग्राफी भी, जो आपके ट्रिप को यादगार बना देगी।

मेघालय

मेघालय घूमने-फिरने के लिए भी अप्रैल का महीना बेस्ट है, जब यहां न बहुत ज्यादा सर्दी होती है और न ही गर्मी। एडवेंचर और नेचर लवर्स के लिए तो ये जगह जन्नत है। हर थोड़ी दूर पर यहां आपको वाटरफॉल्स मिल जाएंगे। हालांकि कुछ वाटरफॉल्स को देखने के लिए आपको लंबी ट्रैकिंग भी करनी पड़ सकती है, लेकिन नो डाउट आपको वहां पहुंचकर अलग ही नजारा देखने को मिलता है। इसके अलावा यहां आकर आप दुनिया का सबसे साफ-सुथरा गांव देख सकते हैं।

हंसना मना है

2 दोस्त सालों के बाद मिले, पता चला दोनों कि शादी हो गयी, पहला दोस्त: कैसी है तुम्हारी वाईफ? दूसरा दोस्त: स्वर्ग की अप्सरा है, और तेरी? पहला दोस्त: मेरी तो अभी जिंदा है!

टीचर: इतने दिन से कहा थे? लड़का: बर्ड फ्लू हुआ था, टीचर: पर ये तो बर्ड्स को होता है? लड़का: आपने मुझे इंसान समझा ही कहां है, रोज तो मुर्गा बना देती हो।

एक बार भगवान ने एक आदमी से सवाल किया तेरी इच्छा क्या है, आदमी बोला प्लीज मुझे मेरे कॉलेज के दिन वापस दे दो। भगवान हसने लगे और कहा, मन्नत मांगने को कहा था जन्नत नहीं!

लड़कियों को गाली मत दो, बस एक वर्ड काफी है, जो गाली से ज्यादा असर कर देगा.. और वो है, आंटी जी।

जिन्दगी की बात करते हो, यहां तो मौत भी हम से खफा है, हम ताज क्यों बनाए, अपनी तो मुमताज ही बेवफा है।

डॉक्टर: अब आप खतरे से बाहर है, फिर भी आप इतना क्यों डर रहे हो? मरीज: जिस ट्रक से मेरी दुर्घटना हुई थी, उसपे लिखा था, फिर मिलेंगे।

कहानी: शहरी चूहा और गांव का चूहा

दो चूहे बहुत अच्छे दोस्त थे। एक शहर में रहता था और दूसरा गांव में, लेकिन दोनों एक-दूसरे की खबर वहां आने-जाने वाले चूहों से लेते रहते थे। एक दिन शहर के चूहे ने गांव आने की बात दोस्त तक पहुंचा दी। गांव का चूहा खबर सुनकर काफी खुश हुआ। फिर शहर का चूहा, गांव पहुंचा। गांव के चूहे ने अपने दोस्त का स्वागत बहुत खुशी से किया। बातों-बातों में गांव के चूहे ने कहा 'शहर में तो बहुत प्रदूषण होता होगा न, लेकिन यहां गांव का वातावरण काफी शुद्ध है।' फिर दोनों चूहों को भूख लगी। गांव के चूहे ने बड़े प्यार से खाने में कुछ फल, रोटी और दाल-चावल परोसे। दोनों ने खूब मजे से खाने का आनंद लिया। फिर दोनों गांव की सैर पर निकल पड़े। गांव की हरियाली दिखाते वक्त गांव के चूहे ने पूछा, 'क्या शहर में भी ऐसे ही हरे-भरे नजारे हैं?' शहर के चूहे ने कोई जवाब नहीं दिया, लेकिन शहर आने का निमंत्रण जरूर दिया। गांव के चूहे ने फिर से अपने दोस्त को रात में फल और अनाज खाने को दिए। दोनों ने खाना खाया और सोने चले गए। सुबह चूहे ने नाश्ते में फिर से वही फल और अनाज परोसे। ये देखकर शहर का चूहा चिढ़ गया। उसने कहा, 'तुम्हारे यहां क्या हर रोज हर वक्त एक ही खाना खाया जाता है? क्या इन सबके अलावा कुछ और खाना नहीं है?'शहर के चूहे ने कहा 'चलो इसी वक्त शहर चलते हैं। वहां देखना कितनी आराम की जिंदगी है और कितने प्रकार की चीजें खाने के लिए हैं।' दोनों ही चूहे शहर की तरफ निकल पड़े। शहर का चूहा एक बड़े से घर के बिल में रहता था। उतना बड़ा घर देख गांव का चूहा आश्चर्यचकित रह गया। फिर उसने देखा टेबल पर कई तरह के खाद्य पदार्थ रखे थे। गांव के चूहे ने पनीर का टुकड़ा चखा। अभी दोनों खाना खा ही रहे थे कि उन दोनों को बिल्ली की आवाज सुनाई दी। शहर के चूहे ने गांव के चूहे को तुरंत बिल में छुपने को कहा। उसने बोला, 'दोस्त जल्दी से बिल में छुपो, नहीं तो बिल्ली हमारा शिकार कर लेगी।'गांव का चूहा काफी डर गया था। थोड़े ही देर में बिल्ली वहां से चली गई और दोनों बाहर आ गए। शहर के चूहे ने कहा 'अब कोई डर नहीं मित्र, वो बिल्ली जा चुकी है। इसके बाद दोनों ने फिर से भोजन करना शुरू किया। अभी गांव के चूहे ने ब्रेड खाना ही शुरू किया था कि दरवाजे पर एक लड़का कुत्ते के साथ अंदर आने लगा। गांव के चूहे ने पूछा। शहर के चूहे ने पहले बिल में छुपने को कहा। फिर चूहे को बताया कि वो कुत्ता घर के मालिक का है, जो हमेशा यहां रहता है। इस बार गांव का चूहा पहले से भी ज्यादा डरा हुआ था। शहर का चूहा गांव के चूहे से कुछ कहता, उससे पहले ही गांव के चूहे ने जाने के लिए इजाजत मांगी। गांव के चूहे ने कहा 'तुम्हारे इस स्वादिष्ट खाने के लिए तुम्हारा बहुत-बहुत शुक्रिया, लेकिन मैं यहां हर दिन अपनी जान को जोखिम में डालकर नहीं रह सकता दोस्त।

7 अंतर खोजें

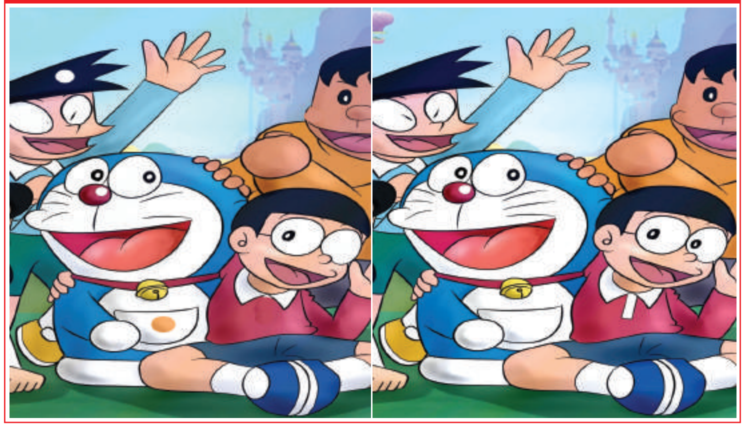

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष: स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। धर्नाजन होगा, जोखिम न लें। प्रयत्न एवं दूरदर्शिता से सहयोग एवं समर्थन मिलेगा।

तुला: वाणी पर नियंत्रण रखें। जल्दबाजी न करें। बकाया वसूली होगी। यात्रा मनोरंजक रहेगी। धनार्जन होगा। आलस्य को त्यागकर प्रत्येक काम समय पर करें।

वृषभ: विवाद से क्लेश होगा। दुःखद समाचार मिल सकता है। पुराना रोग उभर सकता है। वस्तुएं संभालकर रखें। सामाजिक प्रतिष्ठा में कमी आ सकती है।

वृश्चिक: नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। प्रसन्नता रहेगी। पिता का स्वास्थ्य संतोष देगा। आजीविका में प्रगति होगी।

मिथुन: प्रयास सफल रहेंगे। मान-सम्मान मिलेगा। मनोरंजक यात्रा होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। उच्च और बौद्धिक वर्ग में विशेष सम्मान मिलने की संभावना है।

धनु: पारिवारिक सहयोग मिलेगा। शुभ समय। देव दर्शन हो सकता है। सत्संग का लाभ मिलेगा। बाहरी सहयता मिलेगी। रुके कार्य बनेंगे। सुखद यात्रा के योग बनेंगे।

कर्क: अतिथियों का आवागमन होगा। शुभ समाचार मिलेंगे। मान बढ़ेगा। प्रसन्नता रहेगी। धनार्जन होगा। व्यापारिक उन्नति होगी। अनायास किसी समस्या का समाधान हो सकता है।

मकर: कष्ट, भय, तनाव का माहौल बनेगा। चोट, चोरी व विवाद आदि से हानि संभव है। शत्रु पक्ष से सतर्क रहें। आपके कार्यों की परिवार एवं समाज में प्रशंसा होगी।

सिंह: यात्रा मनोरंजक रहेगी। वरिष्ठ जन सहयोग करेंगे। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। धनलाभ के अवसर आएंगे।

कुम्भ: वरिष्ठजन सहयोग करेंगे। शुभ समाचार मिलेंगे। प्रसन्नता बनी रहेगी। अपनी स्थिति, योग्यता के अनुरूप कार्य कर पाएंगे। अनसोचे काम होंगे।

कन्या: घर में अशांति रह सकती है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। तनाव रहेगा। जल्दबाजी न करें। नौकरी, व्यवसाय में इच्छित वातावरण तैयार होगा।

मीन: घर-परिवार की चिंता रहेगी। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। बाहरी सहायता प्राप्त होगी। परिवार में सहयोग का वातावरण रहेगा। अनायास समस्या सुलझेगी।

बॉलीवुड | अपकमिंग

हुमा कुरैशी ने शुरू की अपनी अगली फिल्म गुलाबी की शूटिंग

बीते महीने महिला दिवस के मौके पर हुमा कुरैशी ने अपनी नई फिल्म का एलान किया था। इस फिल्म के निर्देशन की जिम्मेदार विपुल मेहता संभालेंगे। आज से इस फिल्म की शूटिंग शुरू हो गई है। साथ ही फिल्म के नाम से पर्दा उठ गया है। हुमा कुरैशी ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए यह जानकारी फैंस के साथ साझा की है। हुमा कुरैशी की अगली फिल्म का नाम गुलाबी है। इस फिल्म में हुमा कुरैशी ऑटो चालक की भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म में वह एक ऑटो ड्राइवर और उसकी दृढ़ इच्छाशक्ति वाली महिला की सच्ची कहानी को दर्शकों के सामने पेश करती दिखेंगी। अपने नई फिल्म की घोषणा करते हुए हुमा ने सोशल मीडिया पर लिखा था, मैं विशाल राणा और जियो स्टूडियो के साथ नई फिल्म को लेकर बहुत उत्साहित हूं। आज अभिनेत्री ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट साझा किया है। इसमें वह फिल्म विशाल राणा और विपुल मेहता के साथ नजर आ रही हैं। इसके साथ उन्होंने कैप्शन लिखा है, फिल्म गुलाबी की शूटिंग शुरू हो चुकी है। अभिनेत्री के इस पोस्ट पर यूजर्स कमेंट कर रहे हैं। हुमा के फैंस के साथ-साथ तमाम सितारे भी हुमा को बधाई दे रहे हैं। नुपुर सेनन ने लिखा, आपको बहुत शुभकामनाएं। जूही परमार ने लिखा, गुड लक। वर्क फ्रंट की बात करें तो बीते दिनों हुमा कुरैशी अपनी चर्चित वेब सीरीज महारानी 3 को लेकर खूब चर्चा में रही हैं। अभिनेत्री के अभिनय की दर्शकों ने दिल खोलकर तारीफ की। इस सीरीज के पिछले दो सीजन में भी हुमा दमदार अंदाज में नजर आईं। सोनी लिव की महारानी सीरीज के तीसरे सीजन में हुमा पूरी तरह छा गईं।

मर्द और औरत में कभी बराबरी नहीं हो सकती : नोरा फतेही

अभिनेत्री नोरा फतेही बॉलीवुड में किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। नोरा हाल में रिलीज हुई फिल्म मडगांव एक्सप्रेस में नजर आई थीं। दर्शकों ने इस फिल्म में नोरा के अभिनय को काफी सराहा था। पिछले दिनों अभिनेत्री एक इंटरव्यू के दौरान अपनी निजी जिंदगी के अलावा फेमिनिज्म पर अपने विचार रखती नजर आईं। नोरा फतेही एक आजाद ख्याल अभिनेत्री हैं। नोरा फेमिनिज्म पर बात करते हुए बोलती हैं, मुझे किसी की जरूरत नहीं है। मैं अपने आप में पूर्ण हूं। मैं फेमिनिज्म के इस विचार को नहीं मानती हूं। मुझे ये बकवास लगता है। वास्तव में मुझे लगता है कि फेमिनिज्म हमारे समाज को खराब कर रहा है। ये आइडिया कि मुझे आजाद रहना है, बच्चे नहीं पैदा करना है और शादी नहीं करनी है मैं इन बातों में विश्वास नहीं करती हूं। नोरा अपनी बात जारी रखते हुए कहती हैं, मैं मानती हूं कि महिलाओं को काम करना चाहिए। उन्हें भी आर्थिक रूप से आजाद होना चाहिए, लेकिन इसका ये मतलब नहीं है कि वे पालन-पोषण करने वाले अपने गुणों को भूल जाएं। वैसे ही पुरुषों को भी याद रखना चाहिए कि उन्हें पैसे कमाना है और घर चलाना है। दोनों को एक-दूसरे की जरुरत है। मैं इस बात में विश्वास नहीं करती हूं कि कोई किसी से कम है। नोरा फतेही इस बात पर जोर देकर कहती हैं कि न तो महिलाओं को अपनी जिम्मेदारी से मुंह मोड़ना चाहिए और न ही पुरुषों को। नोरा कहती हैं, जैसे एक औरत मां होती है, पत्नी होती है वैसे ही पुरुष पिता, पति और भाई होता है। परिवार को चलाने की जिम्मेदारी उसकी होती है। फेमिनिज्म पर नोरा के विचारों को जानकर कुछ इंटरनेट यूजर्स उन्हें ट्रोल भी करने लगे हैं। एक यूजर ने लिखा है, संदीप रेड्डी वांगा को अपनी अभिनेत्री मिल गई है। वे अपनी फिल्मों में महिलाओं को कुछ-कुछ ऐसे ही दिखाते हैं जैसे नोरा यहां बोल रही हैं।

बॉलीवुड | मसाला

अपने परिवार और विक्की की मदद से आज ठीक हूं : अंकिता लोखंडे

टीवी की मशहूर अभिनेत्री अंकिता लोखंडे इन दिनों सुर्खियों में बनी हुई हैं। हाल ही में अंकिता लोखंडे अपने पति विक्की जैन के साथ ला पिला दे म्यूजिक वीडियो में नजर आईं। इससे पहले अंकिता और विक्की एक साथ बिग बॉस 17 में बतौर प्रतियोगी भाग ले चुके हैं। पिछले दिनों अंकिता एक इंटरव्यू के दौरान डिप्रेशन के बारे में खुलकर बातें करती नजर आईं। अंकिता लोखंडे टीवी की मशहूर अभिनेत्रियों में से एक हैं। हाल ही में मीडिया से बातें करते हुए अंकिता ने इस बात का खुलासा किया कि वे बिग बॉस के घर से बाहर आने के बाद डिप्रेशन और एंग्जाइटी की शिकार हो गई थीं। अभिनेत्री ने कहा, मुझे बिग बॉस के दौरान ही लगने लगा था कि मुझे रातों को नींद नहीं आ रही है और मैं विक्की से कई बार इस बात का जिक्र भी कर चुकी थी। अंकिता लोखंडे अपनी बात जारी रखते हुए कहती हैं, मैं खुद को खुशनसीब मानती हूं कि मुझे विक्की जैसा पार्टनर मिला है। विक्की मुझे समझते हैं और मेरे काम को भी और यही हमारे रिश्ते की सबसे खूबसूरत बात है। जब भी मैं परेशान होती हूं विक्की मुझे बहुत अच्छे से संभालते हैं। अंकिता लोखंडे डिप्रेशन और एंग्जाइटी के बारे में बात करते हुए कहती हैं, मेरे लिए बिग बॉस के घर बाहर आने के बाद भी चीजें आसान नहीं थीं। लोग तरह-तरह से सवाल करते थे और मैं उन सवालों से परेशान हो गई थी, लेकिन विक्की और अपने परिवार की मदद से आज मैं बिल्कुल ठीक हूं। अंकिता लोखंडे के वर्क फ्रंट की बात करें तो इन दिनों वे अपने पति विक्की संग ला पिला दे म्यूजिक वीडियो में दिखाई दे रही हैं। इसके अलावा वे रणदीप हुडा की फिल्म वीर सावरकर में भी नजर आ चुकी हैं।

अजब-गजब | 180 बच्चों का पिता है यह शख्स

फिर भी अकेलेपन से लगता है डर

ब्रिटेन के न्यूकैसल का रहने वाले शख्स ने स्पर्म डोनेट कर 180 बच्चों को जन्म में मदद किया है। नाम न लिखने के शर्त पर, 52 साल के शख्स ने अपने जीवन के संघर्ष का खुलासा किया है। उसने कहा कि महिलाओं को गर्भवती होने में मदद करने में उसे कई कीमत चुकाए हैं। चाहे उसके 'लव लाइफ' की बात हो या फिर शादीशुदा जीवन के बारे में। शख्स प्राकृतिक और कृत्रिम स्पर्म डोनेशन के साथ-साथ कई तरीकों का उपयोग कर 13 वर्षों से स्पर्म डोनेट कर रहा है। शख्स ने बाताया कि स्पर्म डोनेशन की वजह से वह कोई परमानेंट जॉब नहीं कर सका, लव लाइफ भी नहीं रही, क्योंकि ममझे हमेशा तैयार रहना होता है कि कब किसी महिला के अचानक अंडोत्सर्ग हो जाए, मेरे पास रोमांस के लिए कोई समय ही नहीं बचा। मुझ पर लोगों ने कई प्रकार के कमेंट किए, जैसे कि मैं सिर्फ यौन सुख के लिए इसमें शामिल हूं। उसने बताया, 'मुझे तब दु:ख होता है, जब मेरे आलोचक कहते हैं कि मैं केवल यौन संबंध बनाने के लिए स्पर्म डोनेट करता हूं। एक प्राकृतिक दाता के रूप में, मैं बहुत परेशानी में रहता हूं, लेकिन मैंने हमेशा कहा है कि यदि यौन सुख चाहते हैं, तो आपको एक गर्लफ्रेंड बना लेनी चाहिए या शादी कर लेनी चाहिए। मैं आमतौर पर उन महिलाओं से महीने में केवल एक या दो बार ही मिलता हूं। मेरा स्पर्म काफी प्रभावशाली है, भाग्यशाली रहा तो मैं वह प्यारी महिला से केवल एक या दो बार मिलने के बाद गर्भवती हो जाती है।' एक स्पर्म डोनर के रूप में अकेलापन और व्यक्तिगत प्रेम जीवन से वंचित रहा। मैंने इस निस्वार्थ तरीके से दूसरों की मदद करने के लिए अपना प्रेम जीवन त्याग दिया है। ऐसा शायद ही कभी हो पाता जब मुझे थोड़े समय के लिए यौन-सुख मिल पाता, किसिंग या आलिंगन क तो भूल ही जाइये। आलोचको पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि इंटरनेट लोगों को अमानवीय बना रहा है। ऑनलाइन आहत करने वाले कमेंट करना काफी आसान है। पैसों के बारे में बात करते हुए कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर हूं, लेकिन मैं वो काम कर रहा हूं जो मुझे पसंद है। मैं राजा की तरह महसूस करता हूं। बिना पैसे के अमीर बनने के कई तरीके हैं। मैं दुनिया की यात्रा तो नहीं किया पर अनुभवों में मैं कहीं अधिक अमीर हूं। मैं उन महिलाओं और उनके परिवारों के जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाकर अधिक अमीर महसूस करता हूं, जो 9 से 5 बजे काम करके करते हैं, उनसे तो अधिक अमीर महसूस करता हूं। पिछले कुछ सालों में वह अपने 180 बच्चों में से केवल 60 से मिला है। इस शख्स को ब्रिटेन के सबसे 'फर्टाइल पिता' करार दिया गया है। वह चुनौतियों के बावजूद, महिलाओं को मां बनने में मदद करने के अपने मिशन के लिए प्रतिबद्ध है।

दुनिया का सबसे पतला घर, सिर्फ एक दीवार के बराबर है चौड़ाई

दुनिया में कई अनोखे कलाकार हैं जो अपनी कला से लोगों का दिल जीत लेते हैं। फ्रांस में भी ऐसी ही अनोखी कला का नमूना देखने को मिलता है। यहां एक कलाकार ने इतना पतला घर बना दिया कि इसे दुनिया का सबसे पतला घर माना जाता है। ये घर किसी दीवार जितना पतला है। इसमें एक आदमी के घुस पाने की जगह होगी। वहीं अगर कोई बहुत मोटा व्यक्ति इसमें घुसने की कोशिश करे, तो शायद फंस जाएगा। इस घर का वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल होता है। ट्विटर अकाउंट पर अक्सर हैरान करने वाले वीडियोज पोस्ट किए जाते हैं। कुछ वक्त पहले इसमें ऐसा ही एक वीडियो शेयर किया गया है जिसमें दुनिया के सबसे पतले घर को दिखाया गया है जो फ्रांस के नॉर्मेंडी में स्थित है। एक मशहूर आर्टिस्ट ने इस घर को बनाया था। आपको जानकर हैरानी होगी कि इस घर का साइज 7×13×16 मीटर है। जब आप घर के अंदर घुसेंगे तो आप खुद को दबा हुआ महसूस करेंगे। जिन लोगों को क्लॉस्ट्रोफोबिया की समस्या है, वो तो यहां घबराकर बाहर निकलने की कोशिश करने लगेंगे। 24 जून 2022 को ये घर सबसे पहले पब्लिक के लिए शुरू हुआ था। बेडरूम लेकर ड्रॉइंगरूम तक और वॉशरूम तक सब सिकुड़े हुए नजर आते हैं। आर्टिस्ट ने एक इंटरव्यू में कहा था कि भविष्य में जब जमीनें कम पड़ जाएंगी और लोगों के पास घर बनाने की जगह नहीं होगी, तब इतने ही पतले घर बना करेंगे। इस वीडियो को 2 लाख से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं जबकि कई लोगों ने कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया दी है। एक ने कहा कि टोक्यो में भी कई ऐसे पतले घर हैं, जो दो इमारतों के बीच दबे हुए हैं। एक ने सवाल किया कि आखिर ऐसा घर बनाने की जरूरत क्या थी। एक वीडियो में घर के अंदर दिखाया गया है कि डाइनिंग टेबल आदि भी कितने पतले हैं। अंदर रखा टेलीफोन भी बेहद पतला बनाया गया है।

राहुल ही नहीं मोदी व शाह की भी हो जांच : जयराम

» कांग्रेस ने बीजेपी पर करारा हमला बोला, हेलीकॉप्टर जांच पर बवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव 2024 के प्रचार में लगे नेता धड़ाधड़ रैलियां कर रहे हैं। एक जगह से दूसरी जगह जाने के लिए स्टार प्रचारक हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल करते हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी चुनाव प्रचार के लिए हेलीकॉप्टर में निकले थे लेकिन चुनाव आयोग के फ्लाइंग स्क्वाड ने तमिलनाडु के नीलगिरी में उनके हेलीकॉप्टर की जांच की। मामले पर कांग्रेस ने बीजेपी पर करारा हमला बोला है।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि सिर्फ राहुल गांधी ही क्यों बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के हेलीकॉप्टर्स की भी जांच की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें कोई दिक्कत नहीं लेकिन चुनाव आयोग को पीएम और गृहमंत्री के हेलीकॉप्टर की जांच भी करनी चाहिए। इसके अलावा उन्होंने कांग्रेस पार्टी के थीम सॉन्ग और रिटायर्ड 21 जजों की सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ को लिखी गई चिट्ठी के मुद्दे पर भी जवाब दिया। दरअसल, कैंपेन सॉन्ग के केंद्र में राहुल गांधी हैं तो

क्या राहुल गांधी के चेहरे पर कांग्रेस चुनाव लड़ रही है? ये सवाल कांग्रेस से किया गया तो जयराम रमेश ने कहा कि वीडियो का फुटेज भारत जोड़ो यात्रा और भारत जोड़ो न्याय यात्रा का है, इसलिए राहुल गांधी की तस्वीरें ज्यादा हैं। राहुल गांधी के साथ हिंदुस्तान के आम लोगों की तस्वीर भी है।

भाजपा विपक्षी नेताओं को डरा रही : ममता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आयकर विभाग को लोकसभा चुनाव के दौरान भाजपा नेताओं द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे हेलीकॉप्टरों की जांच करने की चुनौती दी है। दरअसल, टीएमसी नेताओं ने दावा किया था कि लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान पार्टी के नेता अभिषेक बनर्जी के हेलीकॉप्टर की तलाशी ली गई। पार्टी नेताओं के इस दावे के बाद ही सीएम ममता ने आयकर विभाग को यह चुनौती दी है।

कूचबिहार में एक रैली को संबोधित करते हुए ममता

बनर्जी ने आरोप लगाया कि भाजपा केंद्रीय एजेंसियों का टीएमसी नेताओं के खिलाफ दुरुपयोग कर रही है। उन्होंने कहा, ट्रायल रन से पहले आयकर विभाग ने अभिषेक बनर्जी के चॉपर की तलाशी ली, लेकिन उन्हें कुछ नहीं मिला। आईटी अधिकारियों ने बताया कि उनके पास इनपुर था कि चॉपर में पैसा और सोना है, लेकिन उन्हें कुछ नहीं मिला। हम ऐसे काम में शामिल नहीं होते हैं। उन्होंने आगे कहा, यह भाजपा ही है जो ऐसे काम करती है। क्या केंद्रीय एजेंसियों के पास भाजपा नेताओं के चॉपर की तलाशी लेने का साहस है?

अभिषेक बनर्जी के हेलीकॉप्टर की तलाशी पर बंगाल की सीएम भड़कीं

टीएमसी ने बताया कि आयकर विभाग के अधिकारियों ने कोलकाता के बेहाला फ्लाइंग क्लब में टीएमसी के महासचिव अभिषेक बनर्जी के

हेलीकॉप्टर की तलाशी ली। उन्होंने इसे भाजपा की सोची समझी साजिश बताया है। इसी के साथ टीएमसी ने भाजपा पर विपक्षी नेताओं को डराने धमकाने का आरोप भी लगाया है। टीएमसी के इस दावे पर आयकर विभाग के सूत्रों ने बताया कि तलाशी जैसी कोई भी प्रवर्तन कार्रवाई नहीं की गई है। उन्होंने आगे बताया कि टीएमसी नेता हेलीकॉप्टर में मौजूद भी नहीं थे।

सुप्रीम कोर्ट को कांग्रेस से नहीं पीएम और गृहमंत्री से खतरा

इस मामले पर कांग्रेस राज्यसभा सांसद ने कहा, 21 अवकाश प्राप्त जजों द्वारा लिखी गई यह चिट्ठी एक और उदाहरण है कि किस तरह पीएम मोदी और गृहमंत्री अमित शाह सुप्रीम कोर्ट को धमका रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने मणिपुर के हालात पर तीखी टिप्पणी की, बाद में चुनावी बॉन्ड को असंवैधानिक करार दिया। यह निष्पक्ष न्यायपालिका पर दबाव बनाने की कोशिश है। ये मोदी सरकार ने करवाया है। सुप्रीम कोर्ट को खतरा कांग्रेस से नहीं पीएम और गृहमंत्री से है।

हमले मुझे लोगों से मिलने से नहीं रोक सकते : जगन मोहन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने कहा है कि हमले उन्हें लोगों से मिलने से नहीं रोक सकते। उन्होंने कहा कि उन्हें बिना किसी डर के लोगों से संपर्क करने की जरूरत है। जगन ने कहा, हमें बिना डरे आगे बढ़ने की जरूरत है। हमले मुझे नहीं रोक सकते।

शनिवार को पथराव की घटना में घायल होने के बाद डॉक्टर की सलाह पर एक दिन का आराम करने वाले मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने सोमवार को अपनी बस यात्रा फिर से शुरू की। मंत्री, विधायक और कई वरिष्ठ नेता मुख्यमंत्री के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी लेने के लिए गन्नावरम के पास केसरपल्ली में शिविर स्थल पर पहुंचे। मुख्यमंत्री ने पार्टी नेताओं से कहा कि वह ठीक हैं और अभियान जारी रखेंगे। उन्होंने कहा कि ऐसे हमलों वाले लोगों से मिलने से उन्हें कोई नहीं डरा सकता। उन्होंने पार्टी नेताओं से ऐसी घटनाओं से परेशान हुए बिना अपने निर्वाचन क्षेत्रों में पार्टी अभियान पर ध्यान केंद्रित करने को कहा। पार्टी नेताओं ने कहा कि वाईएस जगन को मुख्यमंत्री बनने से कोई नहीं रोक सकता क्योंकि पार्टी भारी जीत दर्ज करने के लिए तैयार है।

» घायल सीएम ने फिर शुरू किया प्रचार

प्रतिद्वंदी पार्टियों ने रची साजिश

उन्होंने कहा कि मीमांथा सिद्धम बस यात्रा को मिल रही प्रतिक्रिया को देखकर ही प्रतिद्वंदी पार्टियों ने साजिश रची। वित्त मंत्री बुग्गना राजेंद्रनाथ ने कहा कि भगवान की कृपा और लोगों के आशीर्वाद के कारण उनके नेता मामूली चोट के साथ हमले से बच गए। घटना के एक दिन बाद फिर से यात्रा की शुरुआत हुई। विजयवाड़ा के सिंह नगर में विवेकानंद स्कूल सेंटर के समीप शनिवार की रात को मुख्यमंत्री पर अज्ञात हमलावरों ने एक पत्थर फेंका था, जो जगन के माथे पर बाईं ओर लगा था। जगन चुनाव प्रचार के लिए विजयवाड़ा में थे।

पीएम मोदी के खिलाफ दायर हुई याचिका

देवी-देवताओं व पूजास्थलों के नाम पर वोट मांगने का आरोप

» छह साल के लिए चुनाव से अयोग्य घोषित करने की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा चुनावों को लेकर देश का सियासी तापमान चढ़ा हुआ है। नेताओं द्वारा लगातार बयानवाजी की जा रही है और बयानों को लेकर आपत्ति भी दर्ज कराई जा रही है। इस बीच अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ भी कोर्ट में एक याचिका दायर की गई है।

दरअसल, सिख और हिंदू देवी देवताओं तथा पूजास्थलों के नाम पर वोट मांगने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए दिल्ली हाईकोर्ट में एक याचिका दायर की गई है। याचिका वकील आनंद एस जोंधले ने दायर की है।

राम मंदिर व करतारपुर साहिब कॉरिडोर के नाम पर मांगे वोट

याचिकाकर्ता की ओर से आरोप लगाया कि मोदी ने कहा कि उन्होंने राम मंदिर का निर्माण किया है। यह भी कहा कि उन्होंने करतारपुर साहिब कॉरिडोर विकसित किया और गुरुद्वारों में परोसे जाने वाले लंगरों में इस्तेमाल होने वाली सामग्री से जीएसटी हटा दिया। वह अफगानिस्तान से गुरु ग्रंथ साहिब की प्रतियां वापस लाए थे। जोंधले का तर्क है कि प्रधानमंत्री ने न केवल हिंदू और सिख देवताओं और उनके पूजा स्थलों के नाम पर वोट मांगे, बल्कि विपक्षी राजनीतिक दलों को मुसलमानों का पक्षधर बताते हुए उनके खिलाफ टिप्पणियां भी कीं।

नौ अप्रैल को पीलीभीत में दिए भाषण पर जताई आपत्ति

याचिका में जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत प्रधानमंत्री मोदी को छह साल के लिए चुनाव से अयोग्य घोषित करने के लिए चुनाव आयोग को निर्देश देने की मांग की है। साथ ही धार्मिक देवी देवताओं और पूजास्थलों के नाम पर वोट मांगने से रोकने का आदेश देने को कहा गया है। याचिकाकर्ता ने पीएम मोदी के 9 अप्रैल को उत्तर प्रदेश के पीलीभीत में दिए भाषण का हवाला दिया है। जोंधले ने कहा कि भाषण के दौरान पीएम मोदी ने मतदाताओं से हिंदू देवी-देवताओं और हिंदू पूजा स्थलों के साथ-साथ सिख देवताओं और सिख पूजा स्थलों के नाम पर भाजपा को वोट देने की अपील की।

चिन्नास्वामी की गर्मी में हुई रनों की बारिश, बने 549 रन

हैदराबाद ने बेंगलोर को 25 रनों से हराया, सनराइजर्स के 287 के जवाब में आरसीबी ने बनाए 262 रन

» दिनेश कार्तिक ने 35 गेंदों पर जड़ दिए 83 रन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। क्रिकेट का त्यौहार कहे जाने वाले इंडियन प्रीमियर लीग यानी आईपीएल में सोमवार को चिन्नास्वामी स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर और सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ यादगार मैच खेला गया। ये मैच यादगार इसलिए रहा क्योंकि इस मैच में रनों की जो बरसात हुई, वो इससे पहले शायद ही कभी टी-20 क्रिकेट में हुई हो। दरअसल, इस टी-20 मैच में 40 ओवरों में 549 रन बने। आईपीएल के इतिहास में पहली बार किसी मुकाबले में 549 रनों का अंबार लगा है।

मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए सनराइजर्स हैदराबाद ने 20 ओवर में 3 विकेट के नुकसान 287 रनों का विशालतम स्कोर खड़ा किया था। इस स्कोर के बाद ही ऐसा लग रहा था कि आरसीबी को इस मुकाबले में करारी शिकस्त का सामना करना पड़ेगा। लेकिन जब आरसीबी ने बल्लेबाजी शुरू की तो शुरूआत से ही विराट कोहली और कप्तान फाफ डु प्लेसिस ने आक्रामक बल्लेबाजी की। आलम ये रहा कि चौथे ओवर में ही टीम ने 50 रनों का आंकड़ा पार कर लिया। हालांकि, इसके बाद लगातार गिरते विकेट के चलते आरसीबी ये मैच तो नहीं जीत पाई, लेकिन निचले क्रम में उतरे दिनेश कार्तिक ने अपनी ताबड़तोड़ बल्लेबाजी से आरसीबी के स्कोर को भी 7 विकेट पर 262 रन तक पहुंचा

कार्तिक ने दिखाया रौद्र रूप

287 रनों के विशाल स्कोर का पीछा करते हुए अच्छी शुरूआत के बाद भी लगातार विकेट गिरने से आरसीबी मुश्किल परिस्थिति में थी और एक समय उसका स्कोर 123 पर पांच विकेट हो गया था। लेकिन इसके बाद दिनेश कार्तिक ने ऐसी ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की जो कई दशकों तक याद रखी जाएगी। दिनेश कार्तिक ने महज 35 गेंदों में 83 रनों की वो आक्रामक पारी खेली, जिसने चिन्नास्वामी में मौजूद हर दर्शक को दांतों तले उंगलियां दबाने पर मजबूर कर दिया। अपनी इस पारी के दौरान कार्तिक ने 5 चौके और 7 छक्के जड़े और इस दौरान कार्तिक का स्ट्राइक रेट भी 237.14 का रहा। हालांकि, कार्तिक आरसीबी को जीत की मंजिल तक तो नहीं पहुंचा पाए, लेकिन आरसीबी की करारी हार पर मरहम लगाने का काम उनकी इस पारी ने जरूर कर दिया।

बसपा ने जौनपुर में खेला बड़ा दांव

धनंजय सिंह की पत्नी को दिया टिकट

» बीएसपी ने किया 11 उम्मीदवारों का ऐलान

» मैनपुरी से डिंपल यादव के सामने बदला प्रत्याशी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लोकसभा चुनाव में अब कोई वक्त नहीं बचा है। तीन दिन बाद 19 अप्रैल को पहले चरण का मतदान होना है। ऐसे में अब सभी राजनीतिक दल अपनी-अपनी तैयारियों में पूरी तरह से जुट गए हैं।

इस बीच मायावती की बहुजन समाज पार्टी ने लोकसभा चुनाव के लिए 11 उम्मीदवारों की अपनी एक और सूची जारी कर दी है। इस सूची में बसपा ने मैनपुर से डिंपल यादव के सामने अब अपना प्रत्याशी बदल दिया है। तो वहीं जौनपुर से बाहुबली धनंजय सिंह की पत्नी श्रीकला सिंह को टिकट दिया गया है।

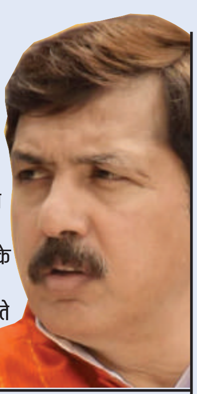

धनंजय सिंह के जेल जाने के चलते श्रीकला को मिला मौका

मैनपुरी सीट से सपा प्रत्याशी और सांसद डिंपल यादव के खिलाफ बसपा ने अपना उम्मीदवार बदला है। गुलशन देव शाक्य का टिकट काट दिया है। उनकी जगह शिव प्रसाद यादव को टिकट दिया गया है। दरअसल, धनंजय सिंह जौनपुर लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे थे। इसी बीच जौनपुर की अदालत ने एक मामले में सात वर्ष की सजा सुना दी। इसके बाद धनंजय को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया गया। सजा मिलने के बाद धनंजय चुनाव नहीं लड़ सकते हैं, इसलिए श्रीकला ने चुनाव मैदान में उतरने का फैसला किया है।

2021 में बनीं जिला पंचायत अध्यक्ष

श्रीकला की बात करें तो वो वर्ष 2021 में जौनपुर की जिला पंचायत अध्यक्ष चुनीं गईं। उन्होंने निर्दलीय चुनाव जीता था। अध्यक्ष पद के लिए हुए चुनाव में उन्हें 43 वोट मिले थे। इसके बाद राजनीति में सक्रियता बढ़ी और पति धनंजय के साथ विभिन्न सामाजिक कार्यक्रमों में शिरकत करने लगीं। 2022 के विधानसभा चुनाव में भी सक्रिय भूमिका निभाई थी। श्रीकला रेड्डी मूल रूप से तेलंगाना की रहने वाली हैं।

अफजाल अंसारी का मुकाबला उमेश सिंह से

अपनी इस पांचवीं सूची में बीएसपी ने 11 उम्मीदवारों के नाम का एलान किया है। जिसमें बदायूं से मुस्लिम खां, बरेली से छोटेलाल गंगवार को मैदान में उतारा है। सुल्तानपुर से उदराज वर्मा और फर्रुखाबाद सीट से क्रांति पांडेय को टिकट मिला है।

वहीं बांदा से मयंक द्विवेदी और डुमरियागंज से ख्वाजा समसुद्दीन चुनाव लड़ेंगे। बलिया से लल्लन सिंह यादव और जौनपुर से श्रीकला सिंह (पत्नी- धनंजय सिंह) को चुनाव मैदान में उतारा है। गाजीपुर से सपा प्रत्याशी और सांसद अफजाल अंसारी के सामने उमेश कुमार सिंह चुनाव लड़ेंगे, वाराणसी सीट से पीएम मोदी के सामने अतहर जमाल लारी को उतारा गया है।

अदालत ने फिर रामदेव से पूछा-आपने कोर्ट की अवहेलना क्यों की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पतंजलि भ्रामक विज्ञापन प्रसारित मामले में सुप्रीम कोर्ट में आज फिर सुनवाई हुई। इस दौरान सर्वोच्च अदालत ने एक बार फिर बाबा रामदेव को फटकार लगाई। जस्टिस हिमा कोहली और जस्टिस अमानुल्लाह की बेंच ने सुनवाई के दौरान बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण से कहा कि आपकी बहुत गरिमा है। आपने काफी कुछ किया है।

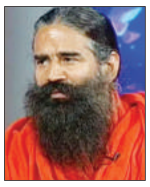

वहीं, दोनों के वकील मुकुल रोहतगी ने कहा कि हम सार्वजनिक माफी के लिए तैयार हैं, ताकि लोगों को भी जानकारी मिले कि हम सुप्रीम कोर्ट के आदेश के पालन को लेकर गंभीर हैं। इस पर जस्टिस अमानुल्लाह ने कहा कि इसके लिए आपको हमारे सलाह की जरूरत नहीं। जस्टिस कोहली ने बाबा रामदेव से हिंदी में पूछा कि क्या आपने जो किया है कोर्ट के खिलाफ क्या वो सही है? इस पर बाबा रामदेव ने कहा कि जज साहिबा, हमें इतना कहना है कि जो भी हमसे भूल हुई है उसके लिए हमने बिना शर्त माफी स्वीकार कर ली है। सुप्रीम कोर्ट ने बाबा रामदेव से पूछा कि कोर्ट की अवमानना क्यों की? जस्टिस कोहली ने कहा कि यह तो आपके वकील ने कहा है।

बाबा साहब भी संविधान को नहीं बदल सकते : पीएम मोदी

» बोले- घमंडिया गठबंधन का संस्कार भारतीय नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को संविधान बदलने के आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि स्वयं बाबा साहब अंबेडकर भी इस संविधान को नहीं बदल सकते तो भाजपा इसकी हिम्मत कैसे कर सकती है! इन्हें पता होना चाहिए कि यह जो संविधान सभा थी, देशरत्न डॉ. राजेंद्र प्रसाद उसका नेतृत्व करते थे।

बाबा साहब का दिल, दिमाग और कलम इस संविधान को शब्दों में ढाल रहा था। देश के गणमान्य लोग विचार-विमर्श करते हुए भावनाओं को समझते हुए इसका निर्माण किया। उन्होंने कहा कि संविधान की ताकत के कारण ही आज मोदी इस जगह पर है। यह संविधान नहीं होता तो कभी ऐसे पिछड़े परिवार में पैदा हुआ गरीब का बेटा देश का प्रधानमंत्री नहीं बन सकता था।

पीएम मोदी ने कहा कि कल राम नवमी का पावन पर्व है। सूर्य की किरणें कल अयोध्या में राम लला के मस्तक का विशेष अभिषेक करेंगी। लेकिन, घमंडिया गठबंधन के लोगों को राम मंदिर से भी परेशानी हैं।

भाजपा ने जारी की सात उम्मीदवारों की सूची

» यूपी के देवरिया और फिरोजाबाद सीट पर प्रत्याशी का ऐलान

» बृजभूषण की कैसरगंज सीट पर अभी भी सस्पेंस कायम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा चुनावों के मद्देनजर देश की सत्ताधारी पार्टी भाजपा ने अपने उम्मीदवारों की एक और सूची जारी कर दी है। अपनी इस ताजा सूची में भाजपा ने कुल सात उम्मीदवारों का ऐलान किया है। जिसमें उत्तर प्रदेश की दो लोकसभा सीटों के अलावा पंजाब की तीन, महाराष्ट्र की एक और पश्चिम बंगाल की एक सीट पर प्रत्याशी का ऐलान किया है।

देवरिया-फिरोजाबाद में मौजूदा सांसदों का टिकट कटा

यूपी के जिन दो सीटों पर पार्टी ने उम्मीदवार उतारे हैं, वहां पिछले लोकसभा चुनाव में उसकी जीत हुई थी। देवरिया में पार्टी ने मौजूदा सांसद रमापति राम त्रिपाठी का टिकट काट दिया है। उनकी जगह शशांक मणि त्रिपाठी को चुनावी मैदान में उतारा गया है। शशांक के पिता प्रकाश मणि त्रिपाठी सांसद रह चुके हैं। इसके अलावा फिरोजाबाद लोकसभा सीट से मौजूदा चंद्र सेन जादौन का टिकट भी काट दिया गया है। उनकी जगह पार्टी ने क्षत्रीय चेहरे ठाकुर विश्वदीप सिंह पर दांव लगाया है।

बंगाल में अभिषेक बनर्जी के सामने उतारा उम्मीदवार

सूची में महाराष्ट्र की सतारा लोकसभा सीट से छत्रपति उदयनराजे भोंसले, पंजाब में खडूर साहिब से मंजीत सिंह मन्ना मियाविंड, होशियारपुर (अजा) से अनिता सोम प्रकाश और बठिंडा से परमपाल कौर सिद्धू (आईएएस) को टिकट दिया गया है। इसके अलावा उत्तर प्रदेश की देवरिया सीट से शशांक मणि त्रिपाठी और फिरोजाबाद सीट से ठाकुर विश्वदीप सिंह को चुनावी मैदान में उतारा गया है। इसके साथ पश्चिम बंगाल की डायमंड हार्बर लोकसभा सीट से भाजपा ने अभिजीत दास (बॉबी) को टिकट दिया है। यहां उनका मुकाबला तृणमूल कांग्रेस के महासचिव और मौजूदा सांसद अभिषेक बनर्जी से होगा।

यूपी की जिन दो सीटों पर उम्मीदवार का ऐलान किया गया है उनमें देवरिया और फिरोजाबाद शामिल हैं। सबसे बड़ी बात भाजपा ने प्रदेश में बृजभूषण शरण सिंह की सीट कैसरगंज पर अब तक कोई फैसला नहीं लिया है। यानी इस सीट पर अभी भी बीजेपी मुश्किल में है और उसे उम्मीदवार नहीं समझ आ रहा है।

झेलम नदी में पलटी नाव, अब तक चार की मौत

नाव में 20 लोगों के सवार होने की संभावना, कई लोग लापता, अधिकतर बच्चे थे शामिल, बचाव कार्य जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में श्रीनगर में आज एक बड़ा हादसा हो गया। यहां की मशहूर झेलम नदी में एक नाव डूब गई, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग लापता बताए जा रहे हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, चार शव बरामद किए गए हैं लेकिन अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। प्रारंभिक रिपोर्ट में कहा गया है कि जब नाव पलटी तो उसमें 20 लोग सवार थे। अभी बचाव अभियान जारी है। बताया जा रहा है कि तीन लोगों को बचा भी लिया गया है। उन्हें अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार, श्रीनगर के गंडबल नौगाम इलाके में एक नाव पलट गई है। चार लोगों के शव मिल चुके हैं, अभी कई लोग लापता हैं, बचाव अभियान जारी है। स्थानीय लोगों ने सड़क जाम कर दी है और विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। स्थानीय लोग बता रहे हैं कि इस नाव में ज्यादातर बच्चे सवार थे।

मौके पर पहुंचे अधिकारी

श्रीनगर के डीसी डॉ. बिलाल मोहि-उद-दीन भट के निर्देश पर बचाव दल मानव जीवन की सुरक्षा के लिए मौके पर पहुंचे हैं। साथ ही संभागीय आयुक्त कश्मीर, आईजीपी कश्मीर, उपायुक्त श्रीनगर और एसएसपी श्रीनगर, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ और पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंचे हुए हैं। और करीब से बचाव अभियान की निगरानी कर रहे हैं। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा भी खुद स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं।

उपराज्यपाल ने जताया दुख

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने नाव दुर्घटना पर गहरा दुख जताया है। उपराज्यपाल ने जारी संदेश में कहा कि हादसे में हुई लोगों की मृत्यु से मुझे गहरा दुख हुआ है। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं और मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि वह उन्हें इस अपार क्षति को सहने की शक्ति दें। एसडीआरएफ, सेना और अन्य एजेंसियों की टीम राहत और बचाव कार्य कर रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रशासन उन शोक संतप्त परिवारों को हर संभव सहायता प्रदान कर रहा है जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है और जो लोग घायल हुए हैं, उन्हें चिकित्सा सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। मरीन कमांडो (मार्कोस) टीमों को भी अलर्ट कर दिया गया है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।